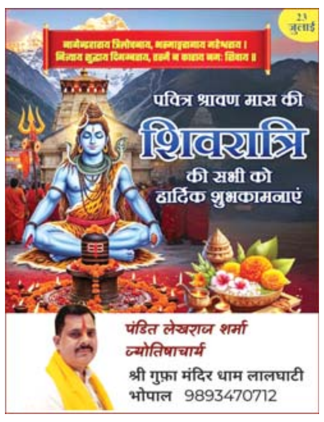

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 55/ अंक 08/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 | संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल | ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 23 जुलाई 2025 भोपाल से प्रकाशित | dainiksandhyaprakash.in

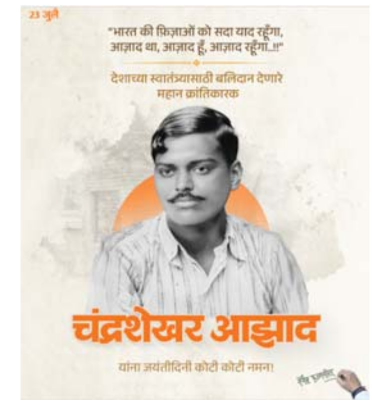

आज विदेश दौरे पर रवाना होने से पहले प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री शाह ने की मुलाकात

नई दिल्ली। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद भवन में उनके कार्यालय में मुलाकात की। यह मुलाकात ऐसे समय पर हुई है जब सोमवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही लगातार बाधित हो रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को ही मालदीव और ब्रिटेन की यात्रा के लिए रवाना होने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चौथी ब्रिटेन यात्रा पर आज रवाना होंगे। इस दौरान

वह बहुप्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को अंतिम रूप देने के साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक महत्व के मुद्दों, खालिस्तानी चरमपंथियों की मौजूदगी पर भी चर्चा करेंगे। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी थी। उन्होंने कहा कि 23 से 24 जुलाई को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ चर्चा के लिए ब्रिटेन की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे। वह राजा चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात करेंगे। भारत और ब्रिटेन, दोनों के व्यापारिक नेताओं के साथ बातचीत की भी योजना है। दोनों देश व्यापक रणनीतिक साझेदारी की प्रगति पर भी चर्चा करेंगे और इसमें व्यापार, अर्थव्यवस्था, तकनीक, अविष्कार, सुरक्षा, जलवायु परिवर्तन, स्वास्थ्य, शिक्षा और लोगों को लोगों से संबंधों को बेहतर बनाने पर चर्चा होगी। पदभार ग्रहण करने के बाद से यह प्रधानमंत्री की ब्रिटेन की चौथी यात्रा होगी।

मालदीव की भी यात्रा करेंगे

ब्रिटेन के बाद पीएम मोदी मालदीव की आधिकारिक यात्रा पर जाएंगे, जो 25-26 जुलाई, 2025 तक होगी। प्रधानमंत्री मोदी मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मोइजु के आमंत्रण पर मालदीव जा रहे हैं। प्रधानमंत्री की यह मालदीव की तीसरी यात्रा होगी। पीएम मोदी की यह मालदीव यात्रा, मालदीव में राष्ट्रपति मोइजु के सत्ता संभालने के बाद पहली बार किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष का दौरा होगा।

भोपाल में राष्ट्रीय कार्यशाला,रोजगार आधारित शिक्षा पर जोर

70 से ज्यादा विश्वविद्यालय में कराई जाएगी वेटरनरी की पढ़ाईः सीएम

भोपाल। दूध उत्पादन में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर है। अब हम इसमें पहले स्थान पर आने के लिए प्रयासरत हैं। हमारे पास 6 करोड़ से अधिक पशुधन है। इसके लिए हमें ज्यादा वेटरनरी विशेषज्ञों की जरूरत है। यह जरूरत सिर्फ एक कॉलेज से पूरी नहीं हो सकती है। इसलिए, प्रदेश के सभी कॉलेजों में वेटरनरी से जुड़ी शिक्षा शुरू की जाएगी।

यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। वे कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेंशन सेंटर में %विकसित भारतञ्च2047 अंतर्गत रोजगार आधारित शिक्षा- रुझान एवं नए अवसर% विषय पर बुधवार को आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यपाल मंगुभाई पटेल भी मौजूद हैं।

हमारी पहल को मिल रही स्वीकारता, ये गर्व की बात- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश में 70 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं। हमने अपने सभी विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर का नाम बदलकर कुलगुरु कर दिया। इस पहल को देश में स्वीकारता मिल रही है, यह हमारे लिए गर्व की बात है। दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय ने भी हमारा अनुसरण किया है और वहां भी वाइस चांसलर का नाम बदलकर कुलगुरु कर दिया गया है।

रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ाने पर दिया जा रहा जोर- आज की बदलती दुनिया में शिक्षा सिर्फ डिग्री पाने का साधन नहीं, बल्कि रोजगार और आत्मनिर्भरता की कुंजी बन गई है। इसी सोच के साथ शुरू हुई कार्यशाला में शैक्षणिक संस्थानों में रोजगारोन्मुखी शिक्षा को बढ़ावा देने और युवाओं को नए अवसरों के लिए तैयार करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाएगा।

मुख्य वक्ता डॉ. एसी पांडे (निदेशक, आईयूएसी नई दिल्ली) ने तकनीकी बदलावों और नवाचारों से पैदा हो रहे रोजगार के नए आयामों पर विस्तृत विचार साझा किए। कार्यशाला में इंजीनियरिंग, जीवन विज्ञान, कौशल विकास और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों पर तकनीकी सत्र आयोजित कर भविष्य के अवसरों पर गहन विमर्श किया गया।

कार्यक्रम में उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा और आयुष मंत्री इंदर सिंह परमार भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र नई दिल्ली के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन और विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलसचिव, प्राचार्य, प्रबुद्धजन, शिक्षाविद और विषय-विशेषज्ञ शामिल हैं।

बच्चों के लिए कार्यक्रम का सीधा प्रसारण- कार्यशाला का सीधा प्रसारण दूरदर्शन, फेसबुक लाइव, ट्विटर और यूट्यूब पर किया गया। राज्य सरकार ने निर्देश दिए हैं कि सभी सरकारी, अनुदान प्राप्त और निजी महाविद्यालयों में कार्यशाला का सीधा प्रसारण दिखाया जाए। सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को इस आयोजन में वर्चुअल शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया।

मॉनसून सत्र में घमासान जारी

राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 16 घंटे की चर्चा तय, विपक्ष का विरोध थमा नहीं

नई दिल्ली। संसद का मॉनसून सत्र बुधवार को लगातार तीसरे दिन भी भारी हंगामे और विरोध प्रदर्शन के कारण प्रभावित होता रहा। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी दलों के सांसदों ने महंगाई, बेरोजगारी, राष्ट्रपति चुनाव और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर सरकार को घेरते हुए जोरदार प्रदर्शन किया। लोकसभा और राज्यसभा दोनों सदनों में शोरगुल के चलते कार्यवाही बार-बार स्थगित करनी पड़ी।

राज्यसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 16 घंटे की लंबी चर्चा का निर्णय

राज्यसभा में राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे 'ऑपरेशन सिंदूर' पर अब विस्तृत चर्चा होगी। पहले इस विषय पर 9 घंटे चर्चा का प्रस्ताव था, लेकिन विपक्ष और सरकार के बीच सहमति बनने के बाद अब यह अवधि बढ़ाकर 16 घंटे कर दी गई है। बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में यह निर्णय लिया गया। इतना ही नहीं, लोकसभा में भी इसी मुद्दे पर 16 घंटे चर्चा का समय तय किया गया है, जिससे इस बहस की राजनीतिक और सामरिक गंभीरता उजागर होती है।

संसद में सड़क जैसा व्यवहार, लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर बिफरे स्पीकर बिरला ने चेताया

लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। बता दें कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित करना पड़ रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है।

लोकसभा में दो महत्वपूर्ण विधेयक पेश किए गए

संसदीय गतिरोध के बावजूद केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने लोकसभा में दो अहम विधेयक पेश किए। पहला 'नेशनल स्पोर्ट्स गवर्नेंस बिल 2025' है, जो देश में खेलों के प्रशासन में सुधार लाने के लिए लाया गया है। दूसरा 'नेशनल एंटी डोपिंग (संशोधन) बिल 2025' है, जो खेलों में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया है। दोनों विधेयक विपक्ष के विरोध के बीच चर्चा और पारित होने की प्रक्रिया के लिए पेश किए गए।

चुनाव आयोग ने शुरू की उपराष्ट्रपति चुनाव की तैयारी, कहा- जल्द घोषित होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बाद चुनाव आयोग एक्शन मोड में आ गया है। आयोग ने नए उपराष्ट्रपति के चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भारत निर्वाचन आयोग ने 2025 के उपराष्ट्रपति चुनाव से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारी संबंधी गतिविधियां पूरी होने के बाद जल्द ही उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। जगदीप धनखड़ ने सोमवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उनके इस्तीफे को स्वीकार कर लिया था। चुनाव आयोग की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गृह मंत्रालय ने 22 जुलाई को एक अधिसूचना के जरिये भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की सूचना दी है। इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग को अनुच्छेद 24 के तहत भारत के उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कराने का अधिकार प्राप्त है। यह चुनाव राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव अधिनियम 1952 और इसके तहत बने नियमों (राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति चुनाव नियम 1974) द्वारा कराया जाता है।

आयोग ने कहा कि हमने उपराष्ट्रपति चुनाव 2025 से संबंधित तैयारियां शुरू कर दी हैं। तैयारियां पूरी होने के बाद उपराष्ट्रपति पद के चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की जाएगी। आयोग ने कहा कि निर्वाचक मंडल की तैयारी, जिसमें राज्यसभा एवं लोकसभा के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य शामिल होते हैं शुरू कर दी गई है। इसके अलावा रिटर्निंग ऑफिसर / सहायक रिटर्निंग ऑफिसर की नियुक्ति को अंतिम रूप दिया जा रहा है। आयोग ने कहा कि पूर्व उपराष्ट्रपति चुनावों से संबंधित जानकारियों और रिकॉर्ड को देखा जा रहा है।

जस्टिस वर्मा के मामले की याचिका पर सुनवाई के लिए पीठ गठित होगी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि वह एक बेंच गठित करेगा जो जस्टिस यशवंत वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करेगी, जिसमें उन्होंने आतंरिक जांच समिति की उस रिपोर्ट को चुनौती दी है, जिसमें उनके खिलाफ उनके आवास पर नकदी मिलने के मामले में टिप्पणी की गई थी। यह मामला आज चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी आर गवई, जस्टिस के. विनोद चंद्रन और जस्टिस जयमाल्या बागची की बेंच के समक्ष उठाया गया। वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, मुकुल रोहतगी, राकेश द्विवेदी, सिद्धार्थ लूथरा, सिद्धार्थ अग्रवाल और वकील जॉर्ज पोटन पूथिकोटे, मनीषा सिंह समेत अन्य लोग जस्टिस वर्मा की ओर से पेश हुए। उन्होंने कहा, हमने इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज की ओर से याचिका दायर की है। इसमें कुछ सांविधानिक मुद्दे शामिल हैं। मैं निवेदन करता हूं कि जल्द से जल्द एक बेंच गठित की जाए। सीजेआई ने जवाब में कहा कि इस मामले को लेना उनके लिए उचित नहीं होगा। इसके बाद उन्होंने कहा, हम इस पर विचार करेंगे और एक उपयुक्त बेंच बनाएंगे।।

भारत ने पासपोर्ट रैंकिंग में आठ स्थानों की लगाई छलांग, 59 देशों में वीजा मुक्त यात्रा संभव

नई दिल्ली। भारत ने जनवरी 2025 के बाद से अपनी पासपोर्ट रैंकिंग में बड़ा सुधार दर्ज किया है, और 85वें से 77वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत की पासपोर्ट रैंकिंग आठ स्थान ऊपर चढ़ गई है। भारत को 59 के लिए वीजा पहुंच प्राप्त हो गया है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स की रैंकिंग में इसकी पुष्टि हुई है। सिंगापुर ने हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में शीर्ष स्थान बरकरार रखा है , जहाँ उसे दुनिया भर के 227 गंतव्यों में से 193 तक वीज़ा-मुक्त पहुँच प्रदान की गई है। जुलाई 2025 में प्रकाशित यह रैंकिंग अंतर्राष्ट्रीय वायु परिवहन संघ के विशिष्ट आंकड़ों पर आधारित है और यह उन गंतव्यों की संख्या दर्शाती है जहाँ पासपोर्ट बिना पूर्व वीज़ा के प्रवेश की अनुमति देता है। एशियाई पड़ोसी देश जापान और दक्षिण कोरिया संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर हैं, जहाँ प्रत्येक को 190 गंतव्यों तक वीज़ा-मुक्त पहुँच प्राप्त है। नई रैंकिंग के अनुसार भारत की वीजा-मुक्त पहुंच में केवल दो नए स्थान जुड़े हैं। इसके बावजूद, सुधार का श्रेय राजनयिक पहुंच और द्विपक्षीय समझौतों में वृद्धि को दिया जाना चाहिए। नई पासपोर्ट रैंकिंग में सऊदी अरब को भी लाभ हुआ है। उसके वीजा मुक्त गंतव्यों में चार स्थानों का सुधार हुआ है। देश की रैंकिंग 91 गंतव्यों के साथ चार स्थान ऊपर चढ़कर 54वें स्थान पर पहुंच गया है। रैंकिंग में ब्रिटेन और अमेरिका की रैंकिंग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'आजाद स्मरण' अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जयंती पर भाबरा(चंद्रशेखर आजाद नगर) में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित किया।

भारतीय वायु सीमा में प्रवेश नहीं कर सकेंगे पाकिस्तानी विमान, 23 अगस्त तक बढ़ाई पाबंदी

नई दिल्ली। भारत ने एक बार फिर पाकिस्तानी विमानों के अपने हवाई क्षेत्र में प्रवेश पर पाबंदी को बढ़ा दिया है। अब यह नोटिस टू एयरमेन (नोटम) 23 अगस्त 2025 तक प्रभावी रहेगा। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल के मुताबिक, यह फैसला देश की मौजूदा रणनीतिक प्राथमिकताओं और सुरक्षा चिंताओं के अनुरूप लिया गया है। विमानन और सहकारिता राज्यमंत्री मुरलीधर मोहोल ने मंगलवार को एक्स पर जानकारी दी कि भारतीय हवाई क्षेत्र में पाकिस्तानी विमानों के प्रवेश पर लगी पाबंदी को 23 अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में बताया, हवाई क्षेत्र प्रतिबंध पर अपडेट – नोटिस टू एयरमेन (नोटम) के तहत पाकिस्तानी विमानों के भारत में प्रवेश पर लगी रोक को आधिकारिक रूप से 23 अगस्त 2025 तक बढ़ा दिया गया है।

गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का खुलासा, 44 लाख कैश और लग्जरी गाड़ियां बरामद

गाजियाबाद। यूपी के गाजियाबाद में फर्जी दूतावास का खुलासा हुआ है। एसटीएफ ने मंगलवार को देर रात को छापा मारकर हर्षवर्धन जैन को अरेस्ट किया। उसके पास से वीआईपी नंबर वाली लग्जरी 4 गाड़ियां जब्त की गई हैं। इसके साथ ही अलग-अलग देशों और कंपनियों की 34 मोहरें भी मिली हैं। इसके विदेश मंत्रालय की मोहर लगे कूटरचित दस्तावेज और 44.70 लाख रुपए नकद भी बरामद किए गए। एसटीएफ एसएसपी सुशील घुले ने बताया- हर्षवर्धन केबी 35 कविनगर में किराए का मकान लेकर अवैध रूप से 'वेस्ट आर्कटिक दूतावास' चला रहा था। वह खुद को वेस्ट आर्कटिक, सबोरगा, पुलावाविया, लोडोनिया देशों का कॉन्सुल एंबेसडर बताता है। हालांकि, इन नामों के कोई देश नहीं हैं।

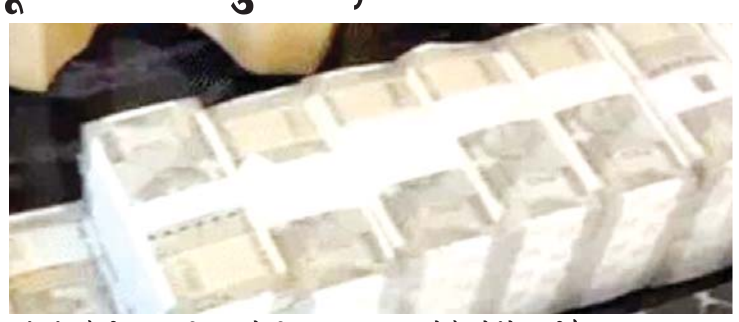

उन्होंने बताया हर्षवर्धन डिप्लोमेटिक नंबर प्लेट लगी गाड़ियों से चलता था। लोगों को प्रभावित करने के लिए प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति और कई अन्य बड़े लोगों के साथ अपनी मॉर्फ की हुई फोटो का इस्तेमाल करता था। उसका मुख्य काम कंपनियों और प्राइवेट व्यक्तियों को बाहर के देशों में काम दिलाने के नाम पर दलाली करना और शेल कंपनियों के जरिए हवाला रैकेट चलाना था। हर्षवर्धन के पास से दो फर्जी प्रेस कार्ड, दो फर्जी पैन कार्ड, माइक्रोनेशन देशों के 12 डिप्लोमेटिक पासपोर्ट, कई देशों की विदेशी मुद्रा, विभिन्न कंपनियों के दस्तावेज और 18 डिप्लोमेटिक नंबर प्लेट भी बरामद की गई हैं। एसएसपी सुशील घुले ने बताया- हर्षवर्धन पहले भी चंद्रास्वामी और इंटरनेशनल आर्म्स डीलर अदनान खगोशी से संपर्क में रह चुका है। 2011 में उसके पास से एक सैटेलाइट फोन भी बरामद हुआ था। इस मामले में गाजियाबाद के ही कविनगर थाने में एफआईआर दर्ज है।

शुभ श्रावण मास- शिव तत्व विचार

भगवान शिव का एक नाम नीलकंठ भी है। समुद्र मंथन के समय निकले विष को लोक कल्याणार्थ महादेव जी पान कर गए। भगवान महादेव ने उस विष को न अपने भीतर जाने दिया और न ही मुख में रखा अपितु अपने कंठ में रख लिया। जीवन को आनन्दपूर्ण बनाने के लिए आवश्यक है, कि जो बातें आपके लिए अहितकर हों आप उन्हें न अपने मुख में रखें और न अपने भीतर जाने दें अपितु भगवान नीलकण्ठ महादेव की तरह पचाना सीखें। यदि विषमता रुपी विष आपके भीतर प्रवेश कर गया है तो यह आपके जीवन की सारी सुख-शांति एवं खुशियों को जलाकर भस्म कर देगा। यह विष आपके जीवन के सारे आनंद को नष्ट कर देगा। इसलिए जीवन में विषमता रूपी अथवा विषय रूपी जो भी विष है, इसे कंठ तक ही रहने देना, चित्त तक मत ले जाना, यही नीलकण्ठ महादेव प्रभु के आनंदमय स्वरूप का रहस्य है।

लायन्स इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी में लायन संजय गुप्ता एडवोकेट सम्मानित

भोपाल। लायन्स क्लब इंटरनेशनल की डिस्ट्रिक्ट 3233 जी-2 वर्ष 2024-25 की डिस्ट्रिक्ट अवार्ड सेरेमनी संपन्न हुई। जिसमें भोपाल के लायन संजय गुप्ता एडवोकेट को वेस्ट पी.आर.ओ एंव सहयोगी लायन्स से सम्मानित किया गया एवं उपरोक्त सम्मान लायन्स क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर लायन मनीष शाह एवं उवर्शी शाह एवं पी.डी.जी. लायन आर.जी.पाठक एवं रिचा पाठक द्वारा प्रदान किया गया एवं उन्हें एक भव्य शील प्रदान की गई। साथ ही साथ शिवपुरी से पधारे लायन अशोक ठाकुर द्वारा लायन क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट पी.आर.ओ. संजय गुप्ता एडवोकेट को अन्य सदस्य बनाने पर चांदी के सिक्के उपहार स्वरूप प्रदान किये गये। उपरोक्त सम्मान समारोह में मुख्य रूप से प्रथम वाईस गर्वनर लायन महेश मालवीय, पी.डी.जी. प्रकाश सेठ, डॉ. आर.के.चौरसिया, दिलीप धारीवाल, रवि सक्सेना, प्रकाश बच्चानी, मनोहर आसुदानी, सुयश कुलश्रेष्ठ इत्यादि थे।

मानसरोवर धाम शिव मंदिर में भक्तों का तांता

भोपाल। सावन के दूसरे सोमवार में मानसरोवर धाम शिव मंदिर मेला का भक्तों का ताता मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष कश्यप ने बताया कि बाबा भोलेनाथ के मंदिर में प्रदेश ही नहीं देश-विदेश से भी अब श्रद्धालु आ रहे हैं और भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त कर रहे हैं आने वाले समय में श्रावण मास के महीने में मंदिर प्रांगण में मिट्टी के बने शिवलिंग की स्थापना होगी साथ ही धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे पूरे सावन में यहां पर श्रद्धालुओं के लिए पार्किंग की व्यवस्था बच्चों के खेलने के लिए झूले भी लगाए गए हैं।

पौधरोपण महोत्सव: राजधानी में एक दिन में 4000 पौधे रोपे गए

भोपाल। भोजपाल मित्र परिषद के तत्वावधान और नगर निगम के विशेष सहयोग से एक दिवसीय 4000 वृक्षारोपण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय परिसर, श्यामला हिल्स में किया गया, जहाँ प्रकृति प्रेमियों, स्वयंसेवी संगठनों और प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति में 4000 से अधिक पौधे रोपे गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे डॉ. मोहन यादव, माननीय मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश, माननीय अशोक पांडे, प्रांत संघ संचालक मध्यभारत , माननीय नारायण सिंह कुशवाह, कैबिनेट मंत्री, उद्यानिकी विभाग, म.प्र., भगवान दास सबनानी, विधायक, दक्षिण पश्चिम विधानसभा, मालती राय, महापौर, नगर निगम भोपाल , अमिताभ पांडे डायरेक्टर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय भोपाल।

मुख्यमंत्री जी ने वृक्षारोपण कर अपने उद्बोधन में कहा कि आज जो 4000 पेड़ लगाने का आप सभी ने जो संकल्प लिया है उसमें हम भी आपके साथ है। हम सब मिल कर इस मुहिम में आगे बढ़े और प्रकृति में खुशहाली भरे। हम जानते है कि मध्यप्रदेश वनसंपदा से समृद्ध है। इसे निरंतर बढ़ाने और आने वाली पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण देने के लिए पौधरोपण अवश्य करें।

इस कार्यक्रम में भोपाल ऑटोमोबाइल डीलर एसोसिएशन , फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन , म.प्र., संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार, एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, जैन पब्लिक स्कूल, डिक्की, सर्च एंड रिसर्च डेवलेपमेंट सोसायटी,अपर्णा फाउंडेशन, न्यू अहिंसा निकेतन शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना, म.प्र.जन अभियान परिषद, नित्य अनंता वेलफेयर सोसायटी, ब्लाइंट किक्रेट एसोसिएशन इंडिया- एमपी चैप्टर भोपाल,मन्नत वेलफेयर सोसायटी, एक्टिव फ्रेंड्स ग्रुप, लॉयन क्लब भोपाल , प्रताप डिस्टेड, साधु वासबानी शिक्षण संस्थान भोपाल, श्री सिरोंजिया अग्रवाल पंचायत समिति भोपाल, व्यावसायी महासंघ, जीवन ग्रुप मध्यप्रदेश एवं वीर सावरकर सेवा समिति , भोपाल हेल्पिंग हेड्स एवं स्कूल, कॉलेज, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवी संस्थाएं समेत कई प्रमुख संस्थाओं का सहयोग रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरित भोपाल की संकल्पना को साकार करना रहा। इस अवसर पर छात्रों, स्वयंसेवकों, आम नागरिकों एवं सामाजिक संगठनों की भागीदारी उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम के आयोजक आशीष जनक (सचिव, भोजपाल मित्र परिषद) एवं आशीष पांडे (अध्यक्ष, भोजपाल मित्र परिषद) ने सभी प्रतिभागियों से कहा कि वृक्षारोपण केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि यह हमारी भावी पीढ़ियों के लिए एक हरित भविष्य की नींव है। कार्यक्रम के अंत में भोजपाल मित्र परिषद के सदस्य डॉ राजीव जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में हरिओम जटिया जी, राजेश जी दिगम्बर विद्यालय समिति के अध्यक्ष अलोक पंचरत्न, अनुराग पवैया,संतोष ब्रह्मभट्ट, डिक्की से अनिल सिरवैया , पंकज पाटिल इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय से पीआरओ एच.बी.एस. परिहार ,धीर सिंह जी और भोजपाल मित्र परिषद भोपाल के सभी सदस्य और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भोपाल। नानके पेट्रोल पंप चौराहा स्थित प्रतिमा पर पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर भाजपा-कांग्रेस नेताओं कार्यकर्ताओं और संगठनों ने पहुंचकर पुष्पांजलि अर्पित की।

18 लोगों का जत्था बाबा अमरनाथ के लिए हवाई मार्ग से निकला

भोपाल। शिव बर्फानी सेवा समिति के तत्वाधान में 18 लोगो का जत्था बाबा अमरनाथ के लिए हवाई मार्ग से निकला समिति अध्यक्ष सज्जन सिंह परमार ने बताया कि लगातार 24 वर्षो से समिति के द्वारा शिव भक्तो को बाबा बर्फानी के दर्शन करा रही है इस बार भी 8 महिलाएं 10 पुरुष समिति के दुसरे जथ्थे में जा रहे हैं जो बालटाल मार्ग से 23-5-25 को दर्शन करगे समिति अध्यक्ष सज्जन सिंह परमार 25 वां वर्ष पूर्ण करगे समिति संरक्षक गोविन्द गोयल द्वारा सभी का फूल माला पहनाकर सफल यात्रा के लिए रवाना किया समिति सदस्य लक्ष्मन कुमार, उपाध्यक्ष सोनिया पटेल, सचिव शंकरलाल, रेशिम सिंह रमेश परमार निकिता परमार आदि लोग यात्रा में सामिल है।

चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी समस्त कार्यकर्ताओं द्वारा न्यू मार्केट पेट्रोल पंप चौराहा स्थित प्रतिमा पर पंडित चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। इस अवसर पर समस्त पदाधिकारी ने प्रतिमा पर माल्या अर्पण किया। आज इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी टैगोर मंडल अध्यक्ष गोविंद कहारे ने कहा किचंद्रशेखर आजाद भारत के एक महान क्रांतिकारी थे जिन्होंने देश की आजादी के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को हुआ था और 27 फरवरी 1931 को वे शहीद हो गए। वह ÷आजाद÷ नाम से प्रसिद्ध थे और उन्होंने ÷मैं आजाद हूं, और आजाद ही रहूंगा का नारा दिया। आज इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के राकेश जोशी मनोज जाट रामेश्वर दीक्षित डिग्गी नंदू भाई अग्रवाल और समस्त भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित हुए सभी ने श्रद्धा सुमन नमन कर उन्हें याद किया।

हरियाली महोत्सव पर विधायक और महापौर ने किया पौधरोपण

भोपाल। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड 47 में स्थित सरदार पटेल स्कूल प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत भाजपा प्रदेश महामंत्री व विधायक भगवानदास सबनानी एवं महापौर मालती राय ने पौधारोपण किया। इस अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि पौधारोपण करना हम सब का कर्तव्य है, सनातन धर्म में भी एक वृक्ष को 100 पुत्रों के समान माना गया है, पौधारोपण कर हम हमारे आने वाली पीढ़ियों को स्वस्थ और सुंदर वातावरण देंगे जो उनके खुशहाल जीवन के लिए हमारा दिया हुआ गया अनुपम उपहार होगा। इसलिए मैं आप सभी से अपील करता हूं कि वर्षा ऋतु के इस मौसम में अधिक से अधिक पौधारोपण कर धरती माता का श्रृंगार करें, और पौधों के बड़े होने तक उनकी देखभाल की जवाबदारी भी निभाएं। महापौर ने कहा कि भोपाल नगर निगम हमारे सुंदर शहर भोपाल में 5100 पौधों का रोपण कर रहा है जिसमें नागरिकों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर क्षेत्रीय पार्षद गिरिजा खटीक मंडल अध्यक्ष प्रियेश उपाध्याय राजेश खटीक राजू अनेजा गंगाराम कुशवाहा विजय लांजीवर अशोक जैन राजू कामडे नंदू सनानसे बिंदु कुशवाहा सहित स्कूल शिक्षक कर्मचारी और बच्चे ओर सम्मिलित रहे।

नमो नमो मोर्चा भारत का शपथ ग्रहण समारोह सम्पन्न

भोपाल। नमो नमो मोर्चा भारत के भोपाल जिला नवनियुक्त युवाध्यक्ष जितेंद्र रिछारिया सहित उनकी टीम ने शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय हटवार, प्रदेश अध्यक्ष गुलाब गोल्हानी, सरंक्षक पुरषोततम गुप्ता पूर्व प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष सत्येंद्र साहू संभागीय अध्यक्ष जगदीश साहू, जिलाउपाध्यक्ष गणेश राम, आशीष गोल्हानी की उपस्थिति रहीं. पुरषोत्तम गुप्ता ने भोपाल युवा जिलाध्यक्ष जितेंद्र रिछारिया सहित सभी पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष हटवार जी ने कहा कि नमो नमो मोर्चा भारत के माध्यम से शासन की योजनाओं का जन जन तक पहुँचाना हैं, संरक्षक गुप्ता जी ने शपथ दिलवाते हुए सभी को शुभकामनायें दी। सत्येंद्र साहू ने कहा कि शासन की योजनाओं का फायदा सभी को मिलना चाहिए.सभी बेरोजगारों को रोजगार के अवसर नमो नमो मोर्चा के माध्यम से मिलेंगे, एवं सभी से कहा कि अपनी अपनी सदस्यता लेकर आई डी कार्ड बनवाएं। प्रदेश अध्यक्ष गोल्हानी ने कहा कि किसी भी विपत्ति परेशानी में सदैव आपके लिए पूरी टीम खड़ी रहेगी, पूरे प्रदेश में नमो नमो मोर्चा की विशाल टीम खड़ी हों रहीं हैं और बहुत जल्द नागपुर में नमो नमो मोर्चा का राष्ट्रीय कार्यक्रम आयोजित होना हैं आप सभी जरूर पहुंचे और उसके बाद भोपाल में भी बड़ा सम्मेलन आयोजित किया जायेगा। गणेशराम जी ने नमो नमो मोर्चा के बारे में विस्तृत जानकारी दी, आशीष गोल्हानी ने नमो नमो मोर्चा से जुड़ने के लिए अनुरोध किया। संभागीय अध्यक्ष जगदीश साहू ने सभी को बधाई दी।

भारत भवन में में राहुल सोलंकी के चित्रों की एकल प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

राहुल के चित्रों में दिखा रंगों का अनूठा संयोजन और कोलाज तकनीक का अलग अंदाज

भोपाल। भारत भवन के रूपंकर प्रभाग की ओर से मंगलवार को इंदौर के वरिष्ठ चित्रकार राहुल सोलंकी के चित्रों की एकल प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। यह प्रदर्शनी रूपाभ श्रृंखला के अंतर्गत लगाई गई है, जिसमें राहुल के कुल 59 चित्रों को प्रदर्शित किया गया है। राहुल सोलंकी ने अपनी इस प्रदर्शनी में एब्सट्रैक्ट आर्ट की नवीन संभावनाओं को तलाशने का प्रयास किया है। उनके चित्रों में जहां रंगों का अनूठा संयोजन है, वहीं कोलाज की तकनीक भी अलग अंदाज में देखने को मिलती है। उन्होंने अपने चित्रों को तैयार करने के लिए लाल, काले, हरे, सफेद और ब्राउन रंग के टिश्यू पेपर का इस्तेमाल किया है। यह प्रयोग उनके चित्रों में अलग प्रकार का टेक्सचर और प्रभाव पैदा करता है, जो कलाप्रेमियों को अपनी ओर आकर्षित करता है। प्रदर्शनी का शुभारंभ वरिष्ठ चित्रकार यूसुफ ने किया। इस अवसर पर भारत भवन के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी प्रेम शंकर शुक्ल, पद्मश्री कलाकार हरचन्दन सिंह भट्टी और देवीलाल पाटीदार सहित कलाप्रेमी उपस्थित थे। यह प्रदर्शनी 27 जुलाई तक जारी रहेगी। कलाप्रेमी दोपहर 2 से रात 8 बजे तक देख सकते हैं राहुल ने बताया कि इस प्रदर्शनी में ग्लिम्प्सिस, ग्लाइडोस्कोप और पोट्रेट आर्ट की श्रेणी के चित्र शामिल हैं। उनके चित्रों में एब्सट्रैक्ट फॉर्म की बारीकियां देखने को मिलती हैं। उन्होंने बताया कि वे बचपन से ही पेंटिंग और क्रिएटिव वर्क में रुचि रखते थे। पढ़ाई के दौरान भी उनका मन हमेशा रंगों और ब्रश के साथ खेलते हुए नई आकृतियों को जन्म देने में ही लगता था। इसी वजह से उन्होंने इसे करियर के रूप में अपनाया। राहुल के चित्रों की खास बात यह है कि हर पेंटिंग में रंगों की परतों के माध्यम से एक कहानी बुनी गई है। उन्होंने बताया कि टिश्यू पेपर का इस्तेमाल कर पेपर कोलाज बनाना उनका खास प्रयोग रहा। यह सामान्य कोलाज तकनीक से अलग है क्योंकि टिश्यू पेपर के पतले और पारदर्शी टेक्सचर के कारण रंगों का मिक्सिंग और लेयरिंग का प्रभाव अत्यंत सुंदर दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि इन चित्रों में रंग सिर्फ रंग नहीं हैं बल्कि हर रंग अपने भीतर एक भाव, एक सोच और एक दर्शन समेटे हुए है। प्रदर्शित चित्र न केवल एब्सट्रैक्ट आर्ट की व्यापकता का उदाहरण हैं, बल्कि यह भी सिद्ध करते हैं कि नए माध्यमों और नए दृष्टिकोण से कला को और अधिक जीवंत तथा आधुनिक बनाया जा सकता है। राहुल ने बताया कि टिश्यू पेपर में कार्य करना बड़ी चुनौती भी है क्योंकि एक एक पेपर को छोटे टुकड़े कर अपने भावों के अनुसार कैनवास पर पेस्ट करना होता है। इसमें एक लेयर को सूखने में 3 घंटे से अधिक समय लगता है यही कारण है कि एक पेंटिंग को तैयार होने में लगभग 3 दिन का समय लगता है।

अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति में पुख्ता सूचना तंत्र की व्यवस्था हो सुनिश्चितः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने अतिवृष्टि एवं बाढ़ के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अतिवर्षा और बाढ़ की स्थिति में जान-माल की हानि न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए समय रहते सूचना-तंत्र की पुख्ता व्यवस्था की जाए। राज्य शासन जनसामान्य की सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। बाढ़ उन्मुख नदियों के लेवल पर लगातार निगरानी रखी जाए, बाढ़ संवेदनशील क्षेत्रों का पूर्व आंकलन कर राहत कैम्प की तैयारी रखें। आवश्यकता होने पर राहत शिविर लगाकर आवास और भोजन उपलब्ध कराया जाए।

इन कार्यों में आवश्यकता होने पर सामाजिक, धार्मिक संस्थाओं का भी सहयोग लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव प्रदेश में अतिवृष्टि एवं बाढ़ के दृष्टिगत आवश्यक तैयारियों की मंत्रालय में समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्षाकाल में आने वाले त्यौहारों में उचित व्यवस्था और आवश्यक सावधानियां बरतना जरूरी हैं। आपदाओं से बचाव के संबंध में सामान्य जानकारियों का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और जनसामान्य को मॉकड्रिल व आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण में भी शामिल किया जाए। बैठक में राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री एदल सिंह कंषाना, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जानकारी दी गई कि प्रदेश में अब तक 61 प्रतिशत से अधिक वर्षा हुई है। सर्वाधिक वर्षा टीकमगढ़, मंडला, छतरपुर, निवाड़ी और सीधी में दर्ज की गई। आगामी माहों में वर्षा के अनुमान को देखते हुए प्रदेश में बाढ़ और अतिवृष्टि से बचाव के लिए एनडीआरएफ की 2 टीमों को भोपाल में, एक-एक टीम जबलपुर, ग्वालियर और धार में तैनात की गई हैं। एसडीईआरएफ की टीमें भी तैनात हैं। आपदा की स्थिति में सेना से सहायता प्राप्त करने के लिए सेना के जिलेवार नोडल अधिकारियों की सूची जिलों को प्रदान की गई है। जिलों को मोटर बोट, लाइफ जैकेट, फ्लड लाइट, प्राथमिक उपचार किट और अन्य आपदा उपकरण उपलब्ध करा दिए गए हैं। बैठक में प्रदेश के बांधों में जलभराव की स्थिति की जानकारी भी प्रस्तुत की गई।

फिल्म तन्वी द ग्रेट मध्यप्रदेश में कर मुक्त मुख्यमंत्री ने फिल्म का देखा विशेष प्रदर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश में फिल्म ÷तन्वी द ग्रेट÷ कर मुक्त होगी। मध्यप्रदेश शासन द्वारा ऐसी सार्थक फिल्मों को प्रोत्साहित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर के साथ मंगलवार की रात्रि भोपाल में फिल्म तन्वी द ग्रेट का विशेष प्रदर्शन देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म सिने प्रेमियों को संबोधित करते हुए कहा कि फिल्म का विषय चयन, कलाकारों का अभिनय, गीत संगीत, सभी दर्शकों का दिल जीतने योग्य रहा। यह फिल्म मानवीय संवेदनाओं और हमारे तानेबाने से संबंधित सार्थक संदेश देती है। यह फिल्म नहीं बल्कि एक सीख और एक पाठ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भी सेना से जुड़े विषयों पर ऐसी फिल्मों को प्रोत्साहित करते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आटिज्म से प्रभावित बच्चे भी सक्षम होते हैं और वे सेना में भर्ती होने की योग्यता भी रखते हैं। यह फिल्म में बखूबी दिखाया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फिल्मकार अनुपम खेर और सभी कलाकार अभिनंदन के पात्र हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डीबी मॉल स्थित सिनेमाघर परिसर में अनेक नागरिकों से भेंट और चर्चा भी की। फिल्म के प्रदर्शन के प्रारंभ में अभिनेता और निर्देशक अनुपम खेर ने सभी का स्वागत किया। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. यादव के प्रति आभार व्यक्त किया। खेर ने फिल्म प्रदर्शन के बाद कहा कि पिता का स्वप्न पूरा करने के लिए बेटी सभी जतन करती है। कोई व्यक्ति सबसे अलग हो सकता है लेकिन वह कमजोर नहीं होता। इस फिल्म की नायिका ने सिद्ध किया है, कि उसकी योग्यता से ही भारतीय सेना में उसका चयन होता है। फिल्म प्रदर्शन के अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद जी, जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट, खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोंविद सिंह राजपूत, संस्कृति, पर्यटन मंत्री धर्मेंद्र लोधी, विधायक भगवान दास सबनानी, भाजपा जिला अध्यक्ष रविन्द्र यति सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

समुद्र मंथन दिवस पर कलाओं में बघेश्वर और मणिधर प्रदर्शनी का शुभारंभ

भोपाल। वीर भारत न्यास की समुद्र मंथन दिवस 24 जुलाई को रवीन्द्र भवन परिसर में हरिहर राष्ट्रीय नाट्य समारोह के साथ-साथ कलाओं में बघेश्वर और मणिधर प्रदर्शनी का शुभारंभ मुख्यंमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा किया जायेगा। यह प्रदर्शनी 29 जुलाई तक प्रदर्शित रहेगी। इसके अलावा यही प्रदर्शनी वाघ दिवस 28 जुलाई और नाग पंचमी 29 जुलाई को दृष्टिगत रखते हुए 27 जुलाई से एक सप्ताह के लिए उज्जैन के महाकाल लोक परिसर में प्रदर्शित की जायेगी। समुद्र मंथन दिवस के महत्व को बताते हुए वीर भारत न्यास के न्यासी सचिव एवं माननीय मुख्यमंत्री के संस्कृति सलाहकार श्रीराम तिवारी ने कहा कि सृष्टि के निर्माण और विकास के क्रम में भारतीय परंपरा में समुद्र मंथन से उद्भुत 14 अनुपम रत्नों का वितरण महाकाल वन, उज्जैन में हुआ था। ये रत्न स्वाभाविक तौर पर देवों और असुरों के बीच वितरित हुए। समुद्र मंथन के आख्यान में मनुष्यों की भूमिका के बारे में कुछ ज्यादा उल्लेख भी नहीं मिलता है। बाद में भरतमुनि जैसे चिंतक और मनीषी ने समुद्र की तरह वेदों का मंथन कर मनुष्यों के लिए नाट्य शास्त्र का प्रणयन किया। यह भी संस्कृति के इतिहास में लगभग आरंभिक घटनाओं में से एक है। न्यासी सचिव ने कहा कि समुद्र मंथन में हरि और हर की अद्वितीय भूमिका रही है और संसार के विकासक्रम में शिव और शक्ति के अनन्य सहचर बाघ और नाग निरंतर सक्रिय रहे हैं और दोनों ही निरंतर अनेक परंपराओं के जनक भी है। इनके माध्यम से भी हम समाज के विकास की विभिन्न धाराओं को देख और पहचान सकते हैं। समुद्र मंथन, बाघ और नाग के दिवस संयोग से लगभग अड़ोस-पड़ोस में ही है। न्यासी कहा कि समुद्र मंथन से निकले अमृत, विष और रत्नों की तरह ही जीवन संघर्षों से उन्नति प्राप्त होती है। भगवान शिव ने जब हलाहल विष को ग्रहण किया, तब उनके त्याग से सृष्टि की रक्षा हुई। माता दुर्गा शक्ति, साहस और न्याय का प्रतीक हैं। नाग देवता लोक आस्था के प्रतीक हैं, वहीं बाघ हमारी जैव विविधता और संस्कृति की गरिमा का परिचायक है। मध्यप्रदेश की धरा इन सभी पौराणिक प्रतीकों को संजोए हुए है।

मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल, तेज गति से बढ़ रहा आगे : उप मुख्यमंत्री शुक्ल

पंख हौसलों की उड़ान कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि विंध्य क्षेत्र और मध्यप्रदेश में संसाधनों की कोई कमी नहीं है। वर्ष 2003 के पूर्व राजनीतिक इच्छाशक्ति, विज़न और जुनून की कमी के कारण मध्यप्रदेश में बीमारू राज्य का दाग लगा था। उन्होंने कहा कि जहाँ चाह होती है वहाँ राह बन ही जाती है। आज मध्यप्रदेश ऊर्जा, स्वच्छता, सिंचाई, अधोसंरचना आदि क्षेत्रों में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा सारी संभावनाओं में प्रयास किया जा रहा है। मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र के समग्र विकास को ध्यान में रखकर प्रयास किए जा रहे हैं। पर्यटन, शिक्षा, स्वास्थ्य सभी क्षेत्रों में तेज गति से विकास के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। शासकीय प्रयासों के साथ निजी क्षेत्र को भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। आज मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है और तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल भोपाल में निजी मीडिया समूह के ÷पंख हौसलों की उड़ान÷ कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने श्री शरद द्विवेदी से मध्यप्रदेश के विकास और राजनीतिक जीवन से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि क्रोध मानवीय अवगुण है। इसे दूर करने के लिए सदैव सचेत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि निंदक आपके सचेतक होते हैं। उनकी आलोचना की समीक्षा अवश्य करनी चाहिए। उन्होंने अपनी राजनीतिक यात्रा से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

स्वास्थ्य जागरूकता अभियान समाज में जनस्वास्थ्य चेतना को नई दिशा प्रदान करते हैंः शुक्ल

भोपाल। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य जागरूकता अभियान समाज में जनस्वास्थ्य चेतना को नई दिशा प्रदान करते हैं। राज्य सरकार दंत स्वास्थ्य और मुखरोगों की रोकथाम हेतु व्यापक प्रयासों के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि दाँतों से जुड़ी बीमारियाँ अब केवल सौंदर्य या दर्द तक सीमित नहीं हैं, ये समस्याएं अन्य रोगों और अंगों को प्रभावित करने का कारक बन सकती हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल भोपाल में डेंटल सर्जन एसोसिएशन के÷डेंटल एंड ओरल हेल्थ कैंपेन 2025÷ में शामिल हुए। उन्होंने एसोसिएशन के तकनीकी नवाचारों और सामाजिक सहभागिता के अभियान की सराहना की। कैंपेन में निःशुल्क मुख एवं दंत जांच शिविर, ओरल कैंसर स्क्रीनिंग, जनजागरूकता रैली, विशेषज्ञ व्याख्यान, पोस्टर व स्लोगन प्रतियोगिता एवं सम्मान समारोह आयोजित किए गए।

लोक निर्माण मंत्री की अध्यक्षता में विभागीय सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

भोपाल। लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को विभागीय सलाहकार समिति की बैठक में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को और अधिक बेहतर बनाने पर विशेष बल देते हुए अभियंताओं के कौशल विकास की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने निर्देश दिए कि विभागीय अभियंताओं को राष्ट्रीय स्तर के प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रशिक्षण दिलाया जाए, जिससे वे गुणवत्तापूर्ण निर्माण तकनीकों और नवीनतम इंजीनियरिंग विधाओं से परिचित हो सकें। बैठक में सलाहकार समिति सदस्य श्री प्रशांत पोल, श्री विक्रांत सिंह तोमर, प्रमुख सचिव लोक निर्माण विभाग श्री सुखवीर सिंह, प्रबंध संचालक एमपीआरडीसी श्री भरत यादव, प्रबंध संचालक भवन निर्माण श्री सी.बी. चक्रवर्ती सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री श्री सिंह ने 'लोकपथ' मोबाइल ऐप पर प्राप्त जन-शिकायतों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि नागरिकों की समस्याओं का समय-सीमा में त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग की प्राथमिकता जनसेवा है और जन-विश्वास बनाए रखने के लिए जवाबदेही और तत्परता अनिवार्य है। बैठक में सड़क निर्माण एवं उन्नयन की दीर्घकालिक रणनीति पर भी गंभीरतापूर्वक चर्चा हुई। मंत्री श्री सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोक निर्माण का मूल उद्देश्य जन-कल्याण होना चाहिए, इसलिए योजनाओं का निर्माण आमजन की आवश्यकताओं को केंद्र में रखकर किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रत्येक परियोजना ऐसी हो जो जनता को सुगमता, सुविधा और सुरक्षा प्रदान कर सके। उपस्थित अधिकारियों ने विभागीय योजनाओं और प्रस्तावों पर विस्तार से जानकारी दी और निर्माण की गुणवत्ता बढ़ाने तथा तकनीकी उन्नयन के लिए किए जा रहे प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

वन विभाग ने जल गंगा संवर्धन अभियान में 5 करोड़ से अधिक पौधों का किया रोपण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रदेश को हरा-भरा बनाने और पर्यावरण संरक्षण के आव्हान पर वन विभाग द्वारा प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान में जैव विविधता को बढ़ावा देने, पर्यावरण संतुलन बनाये रखने, जलवायु प्रदूषण को नियंत्रित करने और जल संचय करने के उद्देश्य से 71 हजार 682 हेक्टेयर में 5 करोड़ 35 हजार 872 पौधों का रोपण किया गया है। अभियान में 78 हजार 665 हेक्टेयर में कुल 5 करोड़ 25 लाख 40 हजार 158 पौधरोपण का लक्ष्य रखा गया था। अभी तक लक्ष्य के विरुद्ध 95.23 प्रतिशत पौधरोपण किया जा चुका है। वन विभाग की विभिन्न शाखाओं द्वारा पौधरोपण के लक्ष्य के विरुद्ध अनुसंधान एवं विस्तार शाखा द्वारा 115 हेक्टेयर में 82 हजार 108, बेम्बो मिशन में 1113 हेक्टेयर में 4 लाख 9 हजार 735, कैम्पा में 50 हजार 545 हेक्टेयर में 3 करोड़ 25 लाख 72 हजार 688, डेवलपमेंट में 12 हजार 903 हेक्टेयर में 67 लाख 86 हजार 151, ग्रीन इण्डिया मिशन में 1413 हेक्टेयर में 4 लाख 69 हजार 515, लघु वनोपज संघ में 1854 हेक्टेयर में 9 लाख 33 हजार 875 और वन विकास निगम द्वारा 3 हजार 521 हेक्टेयर में 87 लाख 81 हजार 800 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण किया गया।

मध्य क्षेत्र के बिजली उपभोक्ताओं को 1498.62 करोड़ से अधिक की सब्सिडी दी गई

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि राज्य शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता वाली अटल गृह ज्योति योजना का प्रदेश में प्रभावी और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि पिछले एक साल के दौरान मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में 30 लाख से ज्यादा घरेलू उपभोक्ताओं को करीब 1498 करोड़ 62 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी दी गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि वर्ष 2024- 25 में सबसे ज्यादा सब्सिडी भोपाल क्षेत्र के राजगढ़ वृ?त के उपभोक?ताओं की 115 करोड़ 63 लाख रूपए से अधिक की सब्सिडी प्रदान की गई है। इसी तरह से ग्वालियर क्षेत्र के शिवपुरी वृत्त के उपभोक्ताओं को सर्वाधिक 125 करोड़ 87 लाख रूपये की सब्सिडी प्रदान की गई है। यह सब्सिडी घरेलू श्रेणी के उपभोक्ताओं को दी गई है। उपभोक्ताओं के बिल पर सब्सिडी का भी उल्लेख रहता है।

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बताया कि दैनिक 5 यूनिट अधिकतम खपत एवं माह में 150 यूनिट तक खपत वाले उपभोक्ता इस योजना की पात्रता रखते हैं। इन्हें प्रथम सौ यूनिट तक बिजली 100 रूपए में प्रदान की जाती है। शेष 50 यूनिट का बिल मौजूदा टैरिफ की दर से तैयार होता है। 30 दिन में 150 यूनिट से ज्यादा खपत करने वाले उपभोक्ता को माह विशेष में सब्सिडी की पात्रता नहीं रहती।

समाज और सरकार के बीच की कड़ी बने मोर्चा कार्यकर्ता : हेमंत खंडेलवाल

जनजातीय समाज के विकास में श्रद्धेय अटल के योगदान भी जनता को बताएंः हितानंद

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने मंगलवार को पार्टी के अनुसूचित जनजाति मोर्चा की प्रदेश कार्य समिति की बैठक को संबोधित किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश को मजबूत कर रहे हैं, हर समाज, हर वर्ग के विकास के लिए काम कर रहे हैं। हमें उन्हें मजबूत करना है। जनजातीय समाज तरक्की करें इसके लिए हमारी सरकार होना जरूरी है। मोर्चा कार्यकर्ता सरकार और जनता के बीच की कड़ी बनकर जनहितैषी योजनाओं का लाभ आमजन को दिलाएं। भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आदिवासी समाज को अधिकार और सम्मान देने का कार्य कर रहे हैं। पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल ने जनजातीय समाज के विकास में बड़ा योगदान दिया है, उसे भी जन-जन तक पहुंचाएं। बैठक को भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कल सिंह भांवर ने भी संबोधित किया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि प्रदेश की राजनीति में जनजातीय समाज की अहम भूमिका है। समाज मध्यप्रदेश के बडे क्षेत्र में निवास करता है, मैं भी आदिवासी बहुल बैतूल जिले का रहने वाला हूं। मुझे और मेरे परिवार को हमेशा जनजातीय समाज की सेवा करने का मौका मिला और जनजातीय समाज हमारे परिवार और भाजपा का पूरा सहयोग कर रहा है। इसलिए अनुसूचित जनजाति मोर्चा की भूमिका पार्टी और समाज में महत्वपूर्ण है। आप अपनी भूमिका का निर्वाह जितनी सक्रियता के साथ करेंगे, भाजपा की त भी उतनी ही सुनिश्चित होगी। अनुसूचित जनजाति मोर्चा कार्यकर्ता समाज के नेता बनें, समाज को पार्टी से जोड़ने का काम करें। लोगों को सरकार की योजनाओं से जोड़ें। जब आप समाज का विश्वास तेंगे, तो पार्टी भी आप पर विश्वास जताएगी। आपकी परंपराएं और संस्कृति सुरक्षित रहे, समाज का वजन बढ़े, नेतृत्व बढ़े, इसकी चिंता पार्टी करेगी। उन्होंने कहा कि जब आप अपने क्षेत्र में, समाज के बीच जाएं, तो छोटी-छोटी बैठकें करें। कोशिश करें कि हर व्यक्ति आप से खुलकर बात कर सके, सवाल पूछ सके। जो भी प्रश्न उठाए जाएं, उनका उत्तर पूरी ताकत से और पूरे आत्मविश्वास के साथ दें। उन्होंने कहा कि आप उस पार्टी के कार्यकर्ता हैं, जिसने जनजातीय समाज की भलाई के लिए अनेक काम किए हैं। इसलिए लोगों के बीच अपनी बात पूरी दमदारी से रखें। आप बोलेंगे, तो लोग आप से जुड़ेंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकारों ने जनजातीय समाज की बेहतरी के लिए अनेक कदम उठाए हैं। रानी दुर्गावती का स्मारक बनाकर और रानी कमलापति के नाम पर हबीबगंज स्टेशन का नाम रखकर सिर्फ इन जनजातीय नायकों को सम्मान ही नहीं दिया, बल्कि उनके त्याग और बलिदान को जनता के सामने लाने का भी काम किया है। समाज की भलाई के लिए पेसा एक्ट भाजपा की सरकार ने लागू किया है। जो लोग आज समाज को बांटने की बात कर रहे हैं, उनसे ये पूछें कि जब बरसात में जनजातियों की झोपड़ी में पानी टपकता था, तब वो कहां थे? जब बीमार होने पर गरीब जनजाति के लोग ठोकरें खाते थे, तब कहां थे? गांवों में शौचालय नहीं थे और अगर फसल खराब हो जाए, तो किसान बर्बाद हो जाता था। भाजपा की सरकार ने उज्जवला योजना लागू की। आदिवासियों के पक्के मकान बनाए, आयुष्मान भारत योजना में उनके इलाज की व्यवस्था की। शौचालय बनवाए, फसल बीमा योजना लागू की। आज जो गांव-गांव में सड़कें दिखाई देती हैं, वो नेहरू और इंदिरा ने नहीं बनवाई हैं, भाजपा की सरकार ने बनवाई हैं। जनजातीय समाज के लिए आरक्षण की व्यवस्था भी कांग्रेस ने नहीं, बल्कि बाबा साहब अंबेडकर ने की थी, जिनका भारतीय जनता पार्टी सम्मान करती है। मोर्चा कार्यकर्ता इन बातों को पूरी दमदारी के साथ लोगों के बीच रखें।

भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी पार्टी के संस्थापक अध्यक्ष के साथ पार्टी संगठन को शून्य से शिखर तक की यात्रा के साक्षी रहे हैं। वर्ष 2025 को पार्टी श्रद्धेय अटल की जन्म शताब्दी वर्ष के रूप में मना रही है। अनुसूचित जनजातियों के विकास के लिए केंद्र सरकार में अलग मंत्रालय बनाने का कार्य श्रद्धेय अटल ने ही किया था। वनाधिकार कानून और पेसा एक्ट में श्रद्धेय अटल की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मार्चा कार्यकर्ता कार्यक्रमों में समाज के लोगों को यह बताएं कि जनजातीय समाज के विकास के लिए भाजपा लगातार कार्य कर रही है।

वरिष्ठ आईएएस भास्कर लाक्षाकार के कविता संग्रह रामदास का मरना तय था का लोकार्पण

भोपाल। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी भास्कर लाक्षाकार के कविता संग्रह 'रामदास का मरना तय था' का लोकार्पण आज दुष्यन्त कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में हुआ। समारोह की अध्यक्षता पूर्व आईएएस अधिकारी, राज्य निर्वाचन आयुक्त और वरिष्ठ साहित्यकार मनोज श्रीवास्तव ने की। देश के सुप्रसिद्ध कवि राजेश जोशी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि राजेश जोशी ने कहा कि भास्कर लाक्षाकार प्रशासनिक पाले से कविता के पाले में आ गये है,पर यह जरूरी है क्योंकि व्यक्ति अपने व्यक्तिगत जीवन में संवेदनशील होता है और वह घटनाओं को अपनी दृष्टि से देखता है। उन्होंने कहा कि वैसे ब्यूरोक्रेसी का अपना संसार है और उसे समझना कठिन है पर भास्कर जैसे लोगों के माध्यम से ही ये बातें सामने आ पाती है। कविता संग्रह के शीर्षक से आम आदमी की पीड़ा व्यक्त होती है। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मनोज श्रीवास्तव ने कहा कि हमारे पूर्वज कवि ग़ालिब नहीं है क्योंकि ग़ालिब तो अपनी पेंशन बढ़ाने के लिए तीन हजार किलोमीटर की यात्रा कर दिल्ली से कोलकाता गए थे, पर हमारे पूर्वज कवि रघुवीर सहाय है। रघुवीर सहाय ने अपने दौर में जो कविताएं आम आदमी की तकलीफों को लेकर थी वहीं आस्वाद भास्कर की कविताओं में है।उन्होंने कहा कि मानस में तुलसी ने सभी विगत और आगत कवियों के प्रति आभार व्यक्त किया है और उनका यह आभार बताता है कि उन्हें विश्वास था कि अगर विगत में सामाजिक विसंगतियों और अंधकार से लड़ने की रचना हुई है तो भविष्य में भी इस तरह के रचनाएं होती

रहेगी ।उन्होंने कहा कि संग्रह में 31 कविताएं अपने समय की वास्तविकता को बताती हैं। उन्होंने कहा कि भास्कर की कविताओं में ईश्वर के साथ जटिल रिश्तेदारी है और इस जटिल रिश्तेदारी से ऐसा लगता है कि ईश्वर भी मूर्खों की जमात से मुक्ति पाना चाहता है।

इस अवसर पर अपनी समीक्षात्मक टिप्पणी में युवा कवि और समीक्षक अरुणाभ सौरभ ने कहा कि भास्कर प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए कविता और वह भी आक्रोशित रूप में कैसे करते हैं यह आश्चर्यजनक है ,क्योंकि रामदास का मरना तय था शीर्षक ही इस बात को अभिव्यक्त करता है कि वे एक कमजोर , असहाय व्यक्ति के साथ खड़े हैं। उन्होंने अपनी कविता में भाषा का प्रयोग सजगता के साथ किया है। उन्होंने कहा कि कविता हमेशा अंधकार से लड़ते हुए लिखी जाती है तथा उनका यह कविता संग्रह रघुवीर सहाय से लेकर राजेश जोशी तक की परम्परा का निर्वाह करता है। इस अवसर पर अतिथियों को श्रीमती मेघा चौहान ने स्मृति चिन्ह भेंट किए। कार्यक्रम के अंत में आभार भास्कर लाक्षाकार की माताजी जनक किशोरी जी ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन विशाखा राजुरकर ने किया।

संपादकीय

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति-पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति-पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति-पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है।

अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति-पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर-कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति-पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी।

ईमानदारी के संकट

श्रीकांत आप्टे

यह कैसी अनहोनी हो रही है। लोग कहने लगे हैं कि राजनीति से बेईमानी को खत्म करना होगा। जो ईमानदार है केवल उसी को वोट देंगे। कोई मुझे बताए कि पब्लिक के दिमाग में यह उल्टी बात या बदमाशी ,आप जो भी कह लें, आखिर डाल कौन रहा है ? क्या पब्लिक में शराफत का दी एंड हो गया है ?

काम निकलवाने के लिए खुद घूमते हैं लिफाफा लिए मंत्री, सांसद या विधायक के पीछे। लेकिन चुनाव आते ही पब्लिक राजनीति में ईमानदारी की रट लगाने लगती है। ईमानदारी बहुत खतरनाक चीज़ है मित्र। जरा कल्पना करो कि सारे मंत्री, सांसद, विधायक ईमानदार हो गये तो क्या होगा हांलाकि, ऐसा कभी नहीं होने वाला लेकिन कल्पना करने में क्या हर्ज है भट्टा बैठ जाएगा लोकतंत्र का। उल्टे,सुल्टे काम किस से और कैसे करवाओगे? नहीं मित्र, राजनीति में ईमानदारी जैसी नुकसानदेह मांग छोड़ दो।

डॉक्टरों,इंजीनियरों, अफसरों, बाबुओं आदि में किसी का मन करता है तो वह अपनी छोटी-मोटी ईमानदारी की झुग्गी डालकर बैठ जाता है तब आप क्या करते हो? जिस गली में तेरा घर हो साजना उस गली से हमें गुजरना नहीं, गीत गाते हुए उस गली में घुस जाते हो जहां आपका उल्टा काम, सीधे से हो जाना है। बैठ भाई , अपनी ईमानदारी लेकर। तेरा एरिया, तेरी मर्जी। हमें क्या?

जनता के काम होते रहें इस बात की चिंता मंत्रियों और विभाग के बड़े अफसरों को भी रहती है। ईमानदारी का कीड़ा काटे लोगों की यथोचित पोस्टिंग कर देते हैं कि भाईजी आप यहां आराम से रहो और पब्लिक को भी आराम से जीने दो। सरकार को बहुत तसल्ली रहती है कि यथोचित पोस्टिंग की व्यवस्था सिस्टम के दो-चार प्रतिशत नासमझों के लिए ही करनी पडती है। शेष समझदार जिओ और जीने दो , खाओ और खाने दो पर निष्ठापूर्वक अमल करते हैं। फाइलें इन्हीं के पहियों पर चलती हैं।सिस्टम में इन्हीं की बदौलत सब चंगा सी। ये ही ईमानदारी के संकट से देश को बचाने वाले संकट मोचन हैं। सभी मंत्री और जनता भी इन पर तेल और सिंदूर चढ़ाते हैं।

पब्लिक को भी कम न समझें। चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीति में ईमानदारी होना का शोर मचाने लगती है। जनता की मूर्खता के प्रति आश्वस्त सभी पार्टियों के नेता हंसते हैं। हमारी सरकार आई तो भ्रष्टाचार मिटाकर रहेंगे आश्वासन हर सभा में देते हैं।ऐसे झूठ सबसे बढ़िया होते हैं जिन पर बोलने वाला और सुनने वाला दोनों हंसते हैं। मैं कहता हूं कि राजनीति को इस वायरस से बचाईये। राजनीति के लिए यह कोविड से भी ज्यादा खतरनाक वायरस है।

पार्टी के दफ़्तर में भी ईमानदारी की बातें अक्सर चलती रहती हैं। कौन करता है भाईसाहब यह अनैतिक कार्य ? और कौन करेगा सिवाय उन बूढ़े रिटायर नेताओं और कार्यकर्ताओं के।पदाधिकारी दफ़्तर पहुंचे या न पहुंचे परंतु कुछ बुड्ढ़े नेता और कार्यकर्ता नियमित रूप से आते हैं। सुबह से शाम तक जमे रहते हैं और उनकी निष्ठा और ईमानदारी के किस्से सुनाकर बोर करते रहते हैं।इनके चाय,नाश्ते का बिल पार्टी के खाते में जाता है। पार्टी को फायदा यह होता है कि इन बुड्ढ़ों की आवाजाही से चहल-पहल बनी रहती है और पब्लिक की नज़र में पार्टी सक्रिय दिखती है। उनके घर वाले भी

चाय,नाश्ते का खर्च बचने से खुश। इन बुड्ढ़ों की तीन केटेगरी हैं, अति बूढ़े, बूढ़े और नवोदित बूढ़े। ये लोग राजनीति में उम्र के निठल्ले दौर में प्रवेश कर चुके हैं।

दफ़्तर में काम करने वाले पार्टी के युवा कार्यकर्ता इस बूढ़ी बटालियन से घबराते हैं क्योंकि जो भी युवा इनके हत्थे चढ़ जाता है उसको निष्ठा और ईमानदारी के किस्से सुनाकर दिमाग चाट जाते हैं। राजनीति में निष्ठा और ईमानदारी की बातें अब घटिया जोक ही मानी जाती हैं। इन पर अब कोई हंसता भी नहीं। वे युवा कार्यकर्ताओं को कोसते हैं कि पार्टी की नई पीढ़ी संस्कारविहीन है। सीनियरों का कोई सम्मान नहीं। बताते हैं कि जब वे युवा थे तब सीनियर्स का कितना सम्मान किया करते थे। यही बातें करते उनका दिन कट जाता है।

कभी पार्टी के किसी मूर्ख युवा कार्यकर्ता ने पार्टी के स्थापना दिवस पर एक नवोदित बूढ़े मेंबर को झंडियों का बंडल उठाने को कह दिया।

नवोदित बूढ़े ने युवा कार्यकर्ता को घूरा और बोला, ÷ हट्टे कट्टे युवा हो।खुद काहे नहीं उठा लेते?÷

÷ दिन भर यहां बैठे बैंच तोडते रहते हो ताऊ। बंडल उठा लोगे तो हमें भी आपकी निष्ठा के दर्शन हो जाएंगे।÷ कहकर युवा कार्यकर्ता हंसने लगा।

नवोदित बूढ़ा बंडल उठाने के लिए झुका तो कमर में ऐसा कुसका लगा कि वहीं फर्श पर फड़फड़ाते हुए लोट लगाने लगा।

युवा कार्यकर्ता को उसकी मूर्खता के लिए फटकार लगाई गई। अध्यक्ष ने महासचिव से कहा, अच्छा हुआ कि नवोदित बूढ़े से कहा। अति बूढ़े से कहा होता तो..।

महासचिव बोले, कल से आने वालों में एक कम हो जाता। अध्यक्ष और महासचिव दोनों हंसने लगे।

कभी किसी जयंती वगैरह पर जब कोई मुख्य अतिथि उपलब्ध नहीं रहता तो इसी बूढ़ी बटालियन में से किसी को पकड़ना पडता है। बुड्ढ़े कौन किसी से कम हैं। आज पकड़ में आए हो बच्चू मन ही मन कहकर ईमानदारी के किस्से पर किस्से पेले जाते हैं। लोग इनकी बातें सुनकर इनके मुंह पर ही हंसने लगते हैं। कहते हैं खुद के समान हमें भी बेवकूफ समझते हैं। ये बेवकूफ न होते तो इनको पटखनी देकर इनका चेला कैसे मुख्यमंत्री बनता।

भाईसाहब, हमारा दृष्टिकोण एकदम स्पष्ट है। राजनीति और ईमानदारी का घालमेल नहीं चलता। दोनों एक साथ करने की कोशिश मत करो। दोनों जगह पिटोगे। यहां पचास बेईमानों में पटरी बैठ जाती है। वो क्या कहते हैं, फैमिली एटमॉस्फियर सा बन जाता है आपस में। पर ईमानदारी से पटरी ? सॉरी,भाईसाहब। आप उसकी बात ही न करें। जो हो नहीं सकता उसकी बात क्यों करना ? ईमानदारी से राजनीति करने की कोशिश करने वालों को शहीद होते देर नहीं लगती। राजनीति में जिंदा रहने, पैसा कमाने और ऐश करने आए हैं। शहीदों की लिस्ट में नाम लिखवाने के लिए नहीं।

राजनीति को ही क्यों दोष देना। राजनीति के बाहर ईमानदारी से जीने की छोड़िए, जीने की कोशिश में ही अच्छों-अच्छों की हवा खिसक जाती है। क्या आपने कभी सुना कि बेईमानी की कोशिश में किसी ने आत्महत्या कर ली।

जिसे ईमानदारी से इतना प्यार होगा तो वह राजनीति में आयेगा ही क्यों ? हमने तो हाईकमान को भी सलाह दी है कि पार्टी की मेंबरशिप से पहले एफिडेविट भरवा लो कि कभी ईमानदारी नहीं दिखाऊंगा। हमेशा बेईमान रहूंगा और बेईमानी के सिवा कुछ नहीं करूंगा। हम तो सभी ईमानदारों से विनयपूर्वक कहते हैं कि राजनीति की ओर रुख मत करो नहीं तो खामखाह आत्मा-वात्मा मरने का स्यापा करते फिरोगे।

ऐसा नहीं कि हमें पार्टी में ईमानदारों की ज़रूरत नहीं पडती। हमें भी शोकेस में रखने के लिए कुछ पीस चाहिए होते हैं।पार्टी को भी कहने को हो जाता कि हम भी रखते हैं कुछ गांठ में। अक्लमंद पीस वही जो औकात पहचान कर पडा रहे शोकेस में चुपचाप। हमें कोई समस्या नहीं होती ऐसे ईमानदार से बल्कि आते-जाते कभी-कभार उसकी चुम्मी, वुम्मी भी ले लेते हैं। इनमें से जिसने शोकेस से बाहर आकर ईमानदारी छांटने की कोशिश की उसके साथ हमने क्या किया ये दुनिया जानती है। आजकल हाईकमान चिंतित हैं। सभी तरफ से ईमानदार उम्मीदवारों की मांग उठ रही है। डिमांड ज्यादा और सप्लाई शॉर्ट है। मार्केट टाइट है। सबको तो शोकेस में नहीं रख सकते और रख दें तो चुनाव में किसे उतारें।

हाईकमान की परेशानी देखते हुए मैंने अपनी सेवाओं का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव में पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि मैं चौबीस कैरेट ईमानदार नहीं हूं। लेकिन बीस कैरेट से कम तो डेफिनेटली नहीं हूं। हाईकमान खुश होकर बोले, आप आ जाओ। हमें तो दो कैरेट वाला भी चल जाता है, बीस कैरेट तो बहुत ज्यादा होता है। कब जॉइन कर रहे हो ?

आप ही सलाह दीजिए कि जॉइन करुं या न करुं?

पारंपरिक शिक्षण विधि से हटकर 'एआई'

राकेश दुबे

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग आज पारंपरिक शिक्षण विधियों से हटकर, छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक सुलभ, प्रभावी और व्यक्तिगत बनाने में सहायक सिद्ध हो रहा है। अब यह न केवल छात्रों के लिए एक नई दिशा के द्वार खोल रहा है, बल्कि शिक्षकों के लिए भी कार्यक्षमता और दक्षता बढ़ाने का एक साधन बन चुका है। अनादिकाल से ही शिक्षा का उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम पढ़ाना भर नहीं रहा है, बल्कि उन्हें जीवन के विभिन्न पहलुओं के लिए तैयार करना भी है। इसके लिए जरूरी है कि शिक्षा प्रणाली लचीली, समावेशी और छात्रों के व्यक्तिगत स्तर पर ध्यान देने वाली हो। एआई की मदद से इस लक्ष्य को हासिल करना अब और भी संभव हो गया है।

एआई का सबसे बड़ा योगदान यह है कि यह व्यक्तिगत शिक्षण को सक्षम बनाता है। सर्वमान्य शैक्षिक नियम है कि हर छात्र का सीखने का तरीका और गति अलग होती है, और एआई इसी विविधता को गहरे से समझकर छात्रों के लिए अनुकूलित शैक्षिक वातावरण निर्मित करने में सहायक है। उदाहरण के लिए, एआई का उपयोग छात्रों की जरूरतों के आधार पर अनुकूलित पाठ्यक्रम, एसाइनमेंट और परीक्षा प्रदान करने में किया जा सकता है। यही नहीं, एआई आधारित टूल्स छात्रों की क्षमताओं और कमजोरियों का विश्लेषण करते हुए, उन्हें उनके कमजोर क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने के लिए सुझाव देते हैं। इस प्रकार, एआई प्रत्येक छात्र के लिए एक व्यक्तिगत शिक्षण अनुभव बना सकता है, जो उसकी आवश्यकताओं के अनुरूप हो। इसके अलावा एआई के द्वारा छात्रों को स्वचालित ट्यूटरिंग की सुविधा मिलती है। कई एआई प्लेटफॉर्म छात्रों को 24/7 सहायता प्रदान करते हैं, जिससे उन्हें अपनी किसी भी शैक्षिक शंका का समाधान तुरंत मिल जाता है। एआई चालित चैटबोट्स छात्रों के सवालों का उत्तर देने, पाठ्यक्रम से संबंधित सामग्री समझाने और उनकी प्रगति पर नजर रखने का काम करते हैं। इस तरह, विद्यार्थियों को किसी भी समय मार्गदर्शन प्राप्त होता है, जिससे उनके सीखने की प्रक्रिया में निरंतरता-गतिशीलता बनी रहती है। एआई की मदद से वर्तमान शिक्षा की मूल्यांकन प्रक्रिया में भी बदलाव आया है। पारंपरिक तरीके से परीक्षा लेने और उसे मैन्युअली ग्रेड करने की तुलना में एआई आधारित प्रणाली बहुत तेजी और सटीक रूप से मूल्यांकन कर सकती है। एआई का उपयोग कागजी उत्तर पुस्तिकाओं के बजाय डिजिटल परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन करने में किया जा सकता है। इससे न केवल समय की बचत होती है, अपितु छात्रों की प्रगति को भी आसानी से ट्रैक किया जा सकता है। एआई छात्रों के उत्तरों का स्वचालित मूल्यांकन करता है और उनके प्रदर्शन के बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करता है जो शिक्षकों को छात्रों की सटीक प्रगति समझने में मदद करती है। शिक्षकों के लिए एआई शिक्षा में एक सहायक भूमिका निभाता है।

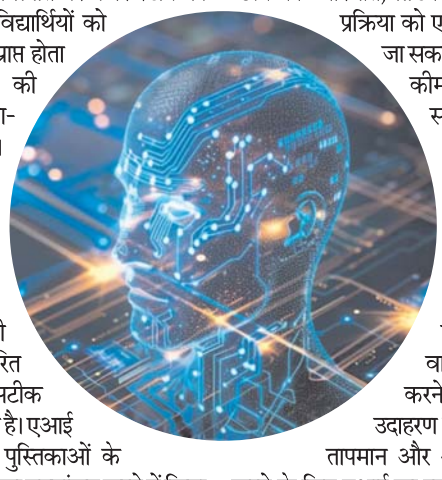

शिक्षकों के पास विद्यार्थियों के व्यक्तिगत विकास की दिशा में ध्यान देने के लिए बहुत सीमित समय होता है, क्योंकि उन्हें प्रशासनिक कार्यों और अन्य जिम्मेदारियों का भी सामना करना पड़ता है। एआई का उपयोग शिक्षकों को इन कार्यों से मुक्त कर सकता है। उदाहरण के लिए, छात्र की उपस्थिति, ग्रेडिंग और रिपोर्ट जनरेशन जैसी प्रक्रिया को एआई द्वारा स्वचालित किया जा सकता है, जिससे शिक्षक अपना कीमती समय छात्रों के साथ संवाद और व्यक्तिगत मार्गदर्शन देने में व्यतीत कर सकते हैं। यही नहीं, आज स्मार्ट क्लासरूम्स का विचार भी एआई की मदद से साकार हो रहा है। एआई आधारित तकनीकों का उपयोग क्लासरूम के वातावरण को अनुकूलित करने में किया जा सकता है। उदाहरण के लिए क्लासरूम में शोर, तापमान और अन्य कारकों को नियंत्रित करने के लिए एआई का इस्तेमाल किया जा सकता है, ताकि छात्रों को एक आरामदायक और ध्यान केंद्रित वातावरण मिल सके। इसके अलावा, वीडियो, वर्चुअल रियलिटी (वीआर) और ऑगमेंटेड रियलिटी (एआर) जैसी तकनीकों का उपयोग करके शिक्षा को और अधिक आकर्षक और इंटरएक्टिव बनाया जा सकता है। एआई इन सभी तकनीकों का सही तरीके से उपयोग कर, छात्रों को एक गहन, मोहक और अनुभवात्मक शिक्षण अनुभव प्रदान करता है। एआई का सबसे बड़ा लाभ यह है कि यह शिक्षा को और अधिक समावेशी बनाता है। विशेष रूप से विकलांग छात्रों के लिए एआई आधारित तकनीकें अत्यधिक सहायक साबित हो सकती हैं। आज जैसे-जैसे कार्य स्थल पर तकनीकी क्षमताओं की मांग बढ़ी है, इसे देखते हुए एआई का इस्तेमाल छात्रों को इन कौशलों में दक्ष बनाने के लिए किया जा सकता है। एआई के माध्यम से छात्रों को उभरते हुए क्षेत्रों, जैसे डेटा एनालिटिक्स, मशीन लर्निंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स के बारे में ज्ञान दिया जा सकता है, जो भविष्य में उनके करियर के लिए सहायक साबित होगा।

एआई के उपयोग के साथ कुछ चुनौतियां भी जुड़ी हैं। एक बड़ी चुनौती यह है कि एआई के माध्यम से शिक्षा का लाभ केवल उन छात्रों तक सीमित हो सकता है, जो तकनीकी रूप से सक्षम हैं, जिनके पास उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी सुविधाएं हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और विकासशील देशों में जहां इंटरनेट और स्मार्टफोन की पहुंच सीमित है, वहां एआई आधारित शिक्षा का प्रभाव कम हो सकता है। एआई द्वारा छात्रों की निगरानी और डेटा संग्रहण से गोपनीयता के मुद्दे भी उत्पन्न हो सकते हैं। छात्रों के व्यक्तिगत डेटा का सुरक्षित और उचित तरीके से उपयोग करना जरूरी है। ऐसे में एआई को केवल सहायक उपकरण के रूप में देखना होगा, न कि शिक्षक के रूप में। शिक्षक की भूमिका हमेशा महत्वपूर्ण रही है और रहेगी भी, क्योंकि एआई के पास मानवीय समझ और भावनाओं की कमी है। एक अच्छा शिक्षक न केवल पाठ्य सामग्री सिखाता है, बल्कि छात्रों को मानसिक और भावनात्मक रूप से भी विकसित करता है। एआई केवल एक साधन है जो इस प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बना सकता है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में वर्ष 2018-2021 के लिए स्काउट्स/गाइड्स/रोवर्स/रेंजर्स पुरस्कार प्रमाण पत्र प्रदान किए।

शक्तिवर्द्धक प्राणायाम - श्वान एवं भस्त्रिका प्राणायाम

मन की अन्तर्मूखता या सुस्ती की स्थिति से बाहर निकलना चाहते हैं, वहाँ हमें शक्तिवर्द्धक प्राणायामों का अभ्यास करना चाहिए

महेश अग्रवाल
योग गुरु

आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल नें शक्तिवर्द्धक प्राणायाम के बारे में बताया कि यद्यपि सभी प्राणायाम किसी-न-किसी रूप में शक्तिदायक होते हैं, क्योंकि वे हमारी प्राणिक व्यवस्था को आवेशित करते हैं, फिर भी हम उन कतिपय प्राणायामों की चर्चा कर रहे हैं जो यह कार्य अधिक गतिशील रूप में कर हमारी सजगता में वृद्धि करते हैं तथा स्थूल और सूक्ष्म तलों में ताप उत्पन्न कर शरीर और मन को सजग एवं जाग्रत करते हैं। प्रशान्तक प्राणायाम शीतलीकारक और उपशामक होते हैं, जबकि शक्तिवर्द्धक प्राणायाम विपरीत प्रभाव उत्पन्न करते हैं। जहाँ हमें अतिरिक्त ऊर्जा की आवश्यकता होती है अथवा हम मन की अन्तर्मुखता या सुस्ती की स्थिति से बाहर निकलना चाहते हैं, वहाँ हमें शक्तिवर्द्धक प्राणायामों का अभ्यास करना चाहिए।

इस दृष्टिकोण से सजगता एक स्वतंत्र गुण है। हम प्रशांतक, शक्तिवर्द्धक अथवा संतुलन प्रदान करने वाला कोई भी प्राणायाम करें, सभी तकनीकों एवं उनके प्रभावों के ऊपर सजगता निरंतर बनी रहनी चाहिए। इस दृष्टिकोण से हम प्रदत्त समस्त परिस्थितियों की पृष्ठभूमि में शरीर और मन के कार्यों का व्यापक अध्ययन कर सकते हैं। शक्तिवर्द्धक प्राणायामों को अधिक उन्नत तकनीक माना जाता है। इसलिये गरमी के मौसम में अथवा रात्रि में सोने के पूर्व इनका अभ्यास नहीं करना चाहिए।

श्वान प्राणायाम - भस्त्रिका और कपालभाति प्राणायाम की पूर्व तैयारी के रूप में श्वान प्राणायाम का अभ्यास उपयोगी होता है। श्वान का अर्थ हाँफना होता है। यह अग्निसार की सरलतर क्रिया है । श्वान प्राणायाम में मुख श्वसन के साथ पेट की आगे-पीछे होने वाली गति को भी जोड़ा जाता है। इस संदर्भ में अग्निसार बड़ा अर्थपूर्ण शब्द है। अग्नि का अर्थ तो आप जानते हैं, %सार% का अर्थ गति होता है। इस अभ्यास में अग्नि तत्त्व गतिशील होता है। यह अग्नि आन्तरिक क्षेत्र में केन्द्रित होती है, जहाँ से ताप की क्रिया विधि प्रेरित होती है। जब अग्निसार में पेट की आगे-पीछे गति होती है, तब बहिर्कुम्भक लगाना होता है, जबकि श्वान प्राणायाम में पेट की आगे-पीछे गति के लिए त्वरित श्वास-प्रश्वास ली और छोड़ी जाती है। यह सामान्य उदर श्वसन से भिन्न प्रक्रिया है, क्योंकि उसमें मध्यपट की भी भागीदारी होती है। श्वान प्राणायाम के साथ पेट की मांसपेशियाँ स्वयं गतिशील होती हैं।

तकनीक - भद्रासन में घुटनों पर हाथ रख कर अथवा सिंहासन में जमीन पर घुटनों के बीच हथेलियाँ पीछे की ओर मुड़ी रखकर बैठिये (इन आसनों का वर्णन प्राणायाम के लिये आसन नामक अध्याय में है)। सिर सीधा रखिये, नासारंध्र से धीमा किन्तु गहरा पूरक कीजिये। जीभ को मुख से यथासंभव बाहर निकालिये, तत्पश्चात् पेट को आगे-पीछे करते हुए जोर लगाकर मुख से दस बार श्वास-प्रश्वास कीजिये। साथ-ही-साथ सजग बने रहिए कि गति समस्वर और लययुक्त है। श्वास के साथ पेट बाहर की ओर फूले तथा प्रश्वास के साथ अन्दर पिचके। यह श्वसन पशु के हाँफने जैसा लगता है। प्रारम्भ में गति धीमी और लययुक्त रखिये, धीरे-धीरे गति बढ़ाते हुए एक बार में पचीस श्वास-प्रश्वास कीजिये। दो चक्रों के बीच सामान्य श्वसन कीजिये। पाँच चक्रों तक अभ्यास कीजिये। सीमाएँ - इसे भोजन के कम-से-कम चार घण्टे बाद ही करें। जिन्हें आँत अथवा उदर व्रण, हार्निया, हृदय रोग अथवा उच्च रक्तचाप की शिकायत हो, वे इसे कतई न करें।

लाभ - इस प्राणायाम से पाचन क्रिया सुधरती है, आंतरिक अंग, मांसपेशियाँ, नाड़ियाँ, रक्त वाहिकायें इत्यादि पुष्ट होती हैं, उदर की चर्बी घटती है, फेफड़ों में एकत्र दूषित वायु का पूर्ण निष्कासन होता है। इसके अतिरिक्त कोष्ठबद्धता, कमजोर पाचन तथा क्षुधानाश जैसी शिकायतों के निराकरण में बड़ी सहायता मिलती है।

उच्च अभ्यास - जालंधर तथा मूल बंध सहित उपर्युक्त वर्णित श्वान प्राणायाम तकनीक का अभ्यास कीजिये, किन्तु अंतिम रेचक के पश्चात् मुँह बंद कर नाक से भरपूर पूरक कीजिये

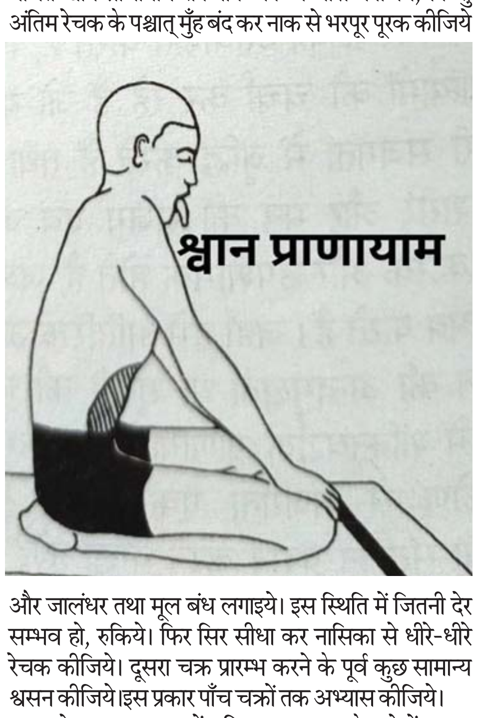

और जालंधर तथा मूल बंध लगाइये। इस स्थिति में जितनी देर सम्भव हो, रुकिये। फिर सिर सीधा कर नासिका से धीरे-धीरे रेचक कीजिये। दूसरा चक्र प्रारम्भ करने के पूर्व कुछ सामान्य श्वसन कीजिये।इस प्रकार पाँच चक्रों तक अभ्यास कीजिये।

योग गुरु अग्रवाल नें भस्त्रिका प्राणायाम के बारे में बताया कि भस्त्र अथवा भाँति अथवा धौंकनी आग को हवा देने का उपकरण होता है। भस्त्रिका एक प्राणायाम का नाम है, जिसमें मध्यपट की हलचल धौंकनी की तरह होती है, जिससे आंतरिक अग्नि प्रदीप्त होती है। इससे भौतिक, प्राणिक और आत्मिक शरीर में गरमी आती है। अस्तु, इस प्राणायाम के लिये ठण्ढ का मौसम आदर्श माना जाता है।

आसन - पद्मासन एवं सिद्धासन अथवा सिद्धयोनि आसन इसके लिये उपयुक्त आसन माने जाते हैं, क्योंकि ये आसन शरीर को स्थिर रखते हैं तथा पेट की हरकत भी स्वतंत्रतापूर्वक होती रहती है। भस्त्रिका में श्वसन की तीव्र गति के लिये इन आसनों का स्थिर आधार जरूरी होता है। उपर्युक्त आसनों में से किसी आसन में बैठना यदि संभव न हो तो किसी अन्य आसन में बैठकर अभ्यास कर सकते हैं। तैयारी - भस्त्रिका के लिये दोनों नासारंध्र एकदम साफ हों तथा उनमें श्वास का प्रवाह अवरोध रहित होता रहे। श्लेष्मा के अवरोध दूर करने हेतु षट्कर्म, नेति का अभ्यास कीजिये। यदि स्वर में थोड़ा अंसतुलन हो तो संतुलन की किसी युक्ति का प्रयोग कीजिये। नए अभ्यासियों को इसका अभ्यास आरम्भ करने के पूर्व उदर श्वसन (मध्यपटीय) की जानकारी अवश्य होनी चाहिए। इस अभ्यास के विभिन्न चरणों में आगे बढ़ने के पूर्व अन्तर एवं बहिर्कुम्भक तथा जालंधर, उड्डियान एवं मूल बंध में भी दक्षता प्राप्त करनी आवश्यक है। नासारंध्रों के नियंत्रण के लिये नासिकाग्र मुद्रा की जानकारी भी अनिवार्य है, जिसमें अँगूठे से दाहिना तथा अनामिका से बाँया नासारंध्र बंद किया जाता है।

अभ्यास तकनीक भस्त्रिका का अभ्यास छः चरणों में किया जाता है। जिनमें से प्रथम और द्वितीय चरण नौसिखुओं के लिये हैं, क्योंकि इन्हें अभ्यास की आधारशिला माना जाता है। तृतीय और चतुर्थ चरण मध्यवर्ती चरण हैं, जिनमें श्वसन की संख्या क्रमागत रूप से बढ़ाते हुए कुम्भक जोड़ा जाता है। पंचम तथा षष्ठ चरण उन्नत साधकों के लिये हैं, जिनमें चक्रों की संख्या और बढ़ायी जाती है, साथ ही कुम्भक तथा बंधों को भी जोड़ा जाता है। प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय चरणों में से प्रत्येक का अभ्यास कम-से-कम दो सप्ताह तक करने की आवश्यकता होती है, उसके बाद ही साधक को आगे बढ़ना चाहिए। अंतिम चरणों में से प्रत्येक के अभ्यास के लिये कम-से-कम एक माह का समय देना चाहिए। अपनी शक्ति और सामर्थ्य को कभी आँख से ओझल न होने दें तथा आगामी चरण के अभ्यास में प्रवेश करने के पहले पूर्व वाले चरण में पर्याप्त दक्षता प्राप्त कर लीजिये। श्वसन की तीव्रता - भस्त्रिका के अभ्यास में श्वसन की तीव्रता के तीन चरण होते हैं - मृदु मध्यम तथा तीव्र। यह बहुत कुछ साधक की अपनी क्षमता पर निर्भर रहता है - मृदु भस्त्रिका - मृदु भस्त्रिका के अभ्यास में प्रायः प्रति दो सेकेण्ड में एक श्वसन होता है, पूरक एवं रेचक में अनावश्यक बलप्रयोग नहीं करते। यह सामान्य श्वास-प्रश्वास का थोड़ा प्रवर्धित रूप होता है। प्रारम्भिक अभ्यासी को तथा उपचारात्मक उद्देश्य से भी इसी चरण से श्री गणेश करना चाहिए, यद्यपि इसका अभ्यास उन्नत स्तर तक सभी चरणों में किया जा सकता है। मध्यम भस्त्रिका - इसमें श्वसन की गति कुछ तेज होती है, प्रति सेकण्ड एक चक्र श्वास-प्रश्वास होती है। तीव्र भस्त्रिका इसमें प्रति सेकण्ड दो चक्र श्वास-प्रश्वास की गति रखी जाती है। मध्यम और तीव्र भस्त्रिका मध्यवर्ती तथा उन्नतु, दोनों श्रेणियों के अभ्यासियों के लिये उचित हैं।

तकनीक 1 - मूल विधि - प्राणायाम के लिये अनुशंसित किसी एक आसन में आराम पूर्वक बैठिये, हाथ घुटनों पर तथा आँखें बंद रखिये। नासारंध्र से धीमी, किन्तु गहरी श्वास लीजिये तथा बलपूर्वक नासिका से ही बाहर निकालिये, किन्तु ज्यादा जोर न लगाइये। पुनः शीघ्रता से इसी प्रकार पूरक कीजिए। इसी प्रकार उदर तथा मध्यपट में अधिक-से-अधिक हलचल उत्पन्न करते हुए पूरक और रेचक कम-से-कम दस बार कीजिये। समान पूरक एवं रेचक के साथ एक सही लय स्थापित करने का प्रयास कीजिये, श्वास एवं उदर की गति में सामंजस्य अवश्य बना रहे। प्रारम्भ में मध्यपट एवं उदर की मांसपेशियों के विस्तार एवं खिंचाव को देखते हुए धीरे-धीरे अभ्यास कीजिये। जैसे-जैसे आप इस श्वसन विधि के अभ्यस्त होते जायें, श्वास की गति को बढ़ाकर दो श्वास प्रति सेकण्ड कर दीजिये, किन्तु श्वास उथली न हो। इस प्रकार दस श्वास-प्रश्वास का एक चक्र कीजिये। प्रत्येक चक्र के बाद कुछ देर सामान्य श्वसन कीजिये। दस चक्रों तक अभ्यास को बढ़ाइये। जब दस श्वास-प्रश्वास का चक्र आराम से होने लगे, तो प्रति चक्र श्वास-प्रश्वास की संख्या बढ़ाकर बीस कीजिये और फिर द्वितीय चरण में आ जाइये।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —हाकम सिंह गुर्जर
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म. प्र. ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सफाई कर्मचारीयों की 13 सूत्रीय मांगों को लेकर सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

सिवनी। सिवनी बानापुरा, इटारसी- मध्य प्रदेश सफाई मजदूर संघ के प्रांतीय अध्यक्ष महेश आर्य ने सिवनी बानापुरा नगर परिषद में सफाई कर्मचारीयों की 13 सूत्रीय मांगों को लेकर कार्यालय अधिकारी सीएमओ को एक ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन के माध्यम से महेश आर्य ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित करने, समय पर वेतन भुगतान, यूनिफॉर्म वितरण, राष्ट्रीय पर्वों पर सम्मान, और मृतक कर्मचारियों को सम्मानजनक अवकाश जैसी मूलभूत एवं ज़रूरी मांगें शामिल की बात कही है। इस दौरान उनके साथ बड़ी संख्या में उपस्थित होकर सफाई कर्मचारीयों ने अपनी एकता और जागरूकता का संदेश दिया। आर्य ने कहा कि यह एक ज्ञापन नहीं, बल्कि एक संकल्प ,सम्मान और न्याय के लिए है। उन्होंने कहा आगे भी कर्मचारियों के हित में मेरे द्वारा संघर्ष आगे भी चलते रहेंगा, अब रुकने वाला नहीं ।

संभागीय संयुक्त संचालक ने किया आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण

इटारसी। नर्मदापुरम संभाग की संयुक्त संचालक तृप्ति त्रिपाठी ने केसला ब्लाक की तीन आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। उनके द्वारा अहिरपुरा, हाथी खेड़ा, और गोमतीपुर ग्राम में आंगनबाड़ियों का निरीक्षण किया गया । इस दौरान कार्यकर्ता द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन किया गया एवं पोषण टेकर अप में की जा रही प्रवेश प्रविष्टियों की जानकारी ली गई । आंगनबाड़ी केंद्र अहिरपुरा में ग्राम स्वास्थ्य पोषण दिवस कार्यक्रम के दौरान बच्चों की माता एवं कार्यकर्ता श्रीमती सरिता राठौर से स्वास्थ्य संबंधी चर्चा की गई । हाथी खेड़ा में बच्चों द्वारा की जाने वाली ईसीसी गतिविधियों को देखा एवं कार्यकर्ता सीमा कलसिया द्वारा पोषण ट्रैकर ऐप में किए गए कार्यों की समीक्षा भी उनके द्वारा की गई।आंगनबाड़ी केंद्र गोमतीपुर में उन्होंने मंगल दिवस कार्यक्रम बाल चौपाल के तहत बच्चों का जन्म दिवस मनाया, कार्यकर्ता श्रीमती माधुरी रावत के द्वारा ई केवाईसी फेस कैप्चर फेस कैप्चर के संबंध में जानकारी दी गई एवं वितरण फेस कैप्चर के द्वारा किए जाने वाले कार्यों की समीक्षा की गई ।इस दौरान उनके साथ केसला आंगनबाड़ी प्रभारी योगेश घाघरे मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, आज मुख्यमंत्री निवास का घेराव

शाजापुर। सहकारिता फैक्स कर्मचारियों की लंबित समस्याओं का निराकरण आज तक मध्य प्रदेश सरकार से नहीं होने पर शाजापुर सहकारिता महासंघ की शाजापुर जिला ईकाई ने जिलाध्यक्ष लखन कुंभकार के नेतृत्व में कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जिसमें कुंभकार ने बताया कि आज एक दिवसीय मुख्यमंत्री निवास का समस्त फैक्स कर्मचारियों द्वारा घेराव चक्का जाम धरना प्रदर्शन भोपाल पहुंचकर किया जाएगा इस दौरान सहकारी संस्था की वसूली खाद्य वितरण की दुकानें बंद रहेगी तथा संस्थाओं के अन्य कार्य भी नहीं होंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी

अखिल भारतीय ब्राम्हण समाज के प्रादेशिक सम्मेलन में पदाधिकारियों का मनोनयन

शाजापुर। भगवान की जन्मस्थली में आयोजित प्रादेशिक सम्मेलन में अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेंद्र चतुर्वेदी, भगवान श्री परशुराम कल्याण बोर्ड के प्रदेश अध्यक्ष पंडित विष्णु प्रसाद राजोरिया, भगवान श्री परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष पंडित गौरव शुक्ला की

अनुशंसा से शाजापुर में पंडित महेंद्र आचार्य को अखिल भारतीय ब्राह्मण समाज की प्रदेश समन्वय समिति का सदस्य, पंडित राजीव व्यास को भगवान श्री परशुराम कल्याण बोर्ड शाजापुर का अध्यक्ष, पंडित नीरज द्विवेदी को भगवान श्री परशुराम सेना शाजापुर का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। इन पदाधिकारियों को मनोनीत किये जाने पर शुभचिंतकों ने बधाई दी।

स्वास्थ्य विभाग का भ्रष्टाचार छिपाने का मामला सामने आया

शासन विरुद्ध सील किए गए दवा दुकानों का पुनः किया संचालन

मंडला/अजीत पटेल। जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था एवं विभाग में बैठे जिम्मेदारों की करतूतों से आदिवासी बाहुल्य जिला तृस्त हो चुका है। नेता-मंत्रियों के रिश्तेदार अपनी रिश्तेदारी का जोर लगाकर स्वास्थ्य विभाग की आला कमान संभाल लेते हैं,परन्तु उनका मुख्य उद्देश्य अपनी तिजोरियां भरना और भ्रष्टाचार को बढ़ावा तथा लापरवाहियों को संरक्षण प्रदान करना होता है।

विगत दिवस जिले में संचालित दवा दुकानों के पंजीयन मामले में जिला एवं सत्र न्यायालय से नोटिस कार्यवाही के बाद नोटिस पक्षकार अधिवक्ता अजीत पटेल ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.धारित्री जे.मोहंती एवं उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग को जिले में संचालित पंजीकृत दवा दुकानों तथा उनके संचालकों के पंजीयन एवं फार्मासिस्ट अधिनियम तहत दुकानों में किए गए फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 42 एवं पीपीआर एक्ट 2015 के साथ ही ड्रग एंड कास्मेटिक एक्ट 1945 की धारा 65 के उलंघन पर कार्यवाही करने को लेकर नोटिस जारी कर पत्र लिखा गया, बावजूद भ्रष्टाचारी के इस खेल में शामिल समस्त जिम्मेदारों एवं आला-अधिकारियों ने अपनी-अपनी हिस्सेदारी बटोरकर मामले को नजरंदाज कर भ्रष्टाचार का जीता-जागता सबूत पेश किया है।

क्या है फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 42 एवं पीपीआर 2015– फार्मेसी एक्ट 1948 की धारा 42 एवं पीपीआर एक्ट 2015 के तहत अवचार की श्रेणी में एक फार्मासिस्ट द्वारा दो दुकानों/संस्थानों में कार्य/संचालित करने को लेकर यह एक्ट लागू किया गया है, परन्तु मण्डला जिले उक्त धारा विरुद्ध कार्य करने एवं संविधान उलंघन करने का मामला सामने आया है जिसमें जिले की सीएमएचओ तथा उपसंचालक खाद्य एवं औषधि विभाग भी इस अपराध में शामिल हैं।

उक्त धारा/एक्ट उलंघन तहत दोषियों के विरुद्ध कास्मेटिक एक्ट 1945 के उलंघन पर धारा 65, पीपीआर एक्ट 2015 , झूठे दस्तावेज़/शपथ पत्र प्रस्तुत करने पर धारा 463,464,471 धोखाधड़ी करने पर 420 आमजन की जिंदगी से खिलवाड़ करने पर 336 जैसे गंभीर अपराधों के तहत मामला कायम किया जाना था परन्तु लायसेंस जारी करने वाले अधिकारियों द्वारा पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार के चलते फर्जी दस्तावेजों पर ड्रग लाइसेंस जारी किया गया है। उक्त मामले के उलंघन करने को लेकर मामले में लिप्त समस्त अधिकारी-कर्मचारी, दोषी दवा दुकानों के संचालक एवं भ्रष्टाचारियों को संरक्षण प्रदान करने वाले जिम्मेदारों के खिलाफ जहां एक तरफ न्यायालीन कार्यवाही हेतु याचिका प्रेषित किया गया है वहीं संबंधित विभाग को चाहिए कि दोषियों के खिलाफ तत्काल वैधानिक कार्यवाही किया जावे।

सीएमएचओ द्वारा दोषियों को क्यों दिया जा रहा संरक्षण– जिले में अवैधानिक रूप से संचालित दवा दुकानों यह मामला वर्षों से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर के साथ ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिवालय भोपाल के समक्ष मामला प्रस्तुत किया गया। जहां सीएमएचओ मण्डला द्वारा अपने भ्रष्टाचारी की पोल खुलने से बचने को लेकर मामले को नजरंदाज किया, वहीं क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य सेवाएं जबलपुर के आदेशों के विरुद्ध जिले में गैर पंजीकृत दवा दुकानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं किया गया।इसी मामले को लेकर आवेदक एवं न्यायालीन पक्षकार अधिवक्ता अजीत पटेल जब चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सचिवालय भोपाल के मामले को प्रेषित तो सीएमएचओ डॉ.मोहंती द्वारा आजकल-आजकल कर आमजन की जिंदगी से खिलवाड़ किया जा रहा है और वहीं राज्य शासन के आदेशों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के चलते दोषियों को संरक्षित किया जा रहा है।

राज्य शासन के आदेशों के विरुद्ध कार्य करने को लेकर सीएमएचओ डॉ मोहंती ने जवाब दिया कि कोई दिक्कत नहीं स्वास्थ्य मंत्री अपने रिश्तेदार हैं,वो सब संभाल लेंगे।

नैनपुर की बेटी श्वेता जायसवाल मिश्रा को 'नेशनल अवॉर्ड फॉर वुमन ऑफ एक्सिलेंस इन जियोस्पेशियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी' से सम्मानित किया

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के स्पेस एप्लिकेशन्स सेंटर (एसएसी), अहमदाबाद की सीनियर साइंटिस्ट सुश्री श्वेता जायसवाल मिश्रा को 'नेशनल अवॉर्ड फॉर वुमन ऑफ एक्सिलेंस इन जियोस्पेशियल साइंस एंड टेक्नोलॉजी' प्रदान किया गया। यह सम्मान नेशनल जियोस्पेशियल अवार्ड्स 2025 के दौरान 'ओपन सोर्स जीआईएस डे 2025 सेलिब्रेशन' में 17 जुलाई 2025 को आई आई टी बॉम्बे में पूर्व अध्यक्ष इसरो श्री ए. एस. किरण कुमार की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान किया गया।

सुश्री श्वेता मध्य प्रदेश के मण्डला ज़िले के नैनपुर निवासी श्री देवेन्द्र मोहन जायसवाल की सुपुत्री हैं। आपने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर से स्पैशियल इन्फ़ॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में एम.टेक. किया है और 2010 में इसरो से जुड़ीं। वर्तमान में आप स्पेस एप्लिकेशन्स सेंटर, इसरो के जियोस्पेशियल डेटा एनालिटिक्स एवं वेब सर्विसेज़ समूह में सेवाएँ दे रही हैं। इस दौरान वेदास (विज़ुअलाइज़ेशन ऑफ़ अर्थ ऑब्जरवेशन डेटा एंड आर्काइवल सिस्टम) एमओएसडीएसी (मौसम एवं समुद्र-विज्ञान उपग्रह डेटा अभिलेखागार केंद्र) , एनएनआरएमएस (राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन प्रणाली) परियोजनाओं के तहत जियोस्पेशियल टेक्नोलॉजी और जियोएआई के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

प्रमुख उपलब्धियाँ– रीन्यूएबल एनर्जी एप्लीकेशन फॉर इंडिया का विकास, जिसके माध्यम से डाटा द्वारा देश-भर में सौर ऊर्जा संभाव्यता आकलन संभव हुआ।

भारत-वर्ष के लिए सोलर कैलकुलेटर विकसित किया और इसे मॉरीशस, ओमान व पापुआ न्यू गिनी तक विस्तारित किया, जिससे अंतरराष्?ट्रीय नवीकरणीय ऊर्जा योजनाओं में सहयोग को बल मिला।

नीति आयोग के साथ मिलकर भारत का भूस्थानिक ऊर्जा मानचित्र (जियोस्पेशियल एनर्जी मैप आफ ईंडिया) तैयार करने में प्रमुख तकनीकी भूमिका।

सओपी-26 में माननीय प्रधानमंत्री की घोषणा के अनुरूप ग्लोबल सोलर कैलकुलेटर का नेतृत्व, जो वैश्विक जलवायु कार्रवाई में महत्त्वपूर्ण योगदान है।

गहरे अध्ययन में सोलर इनसॉलेशन फोरकास्टिंग हेतु डीप लर्निंग तथा उच्च-स्पष्टता रिमोट सेंसिंग डाटा से सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्वतः पहचान पर शोध।साथ-ही-साथ वे 'जीआईएस इनिशिएटिव्स जैसे की अहमदाबाद सिटी जीआईएस एप्लिकेशन एंड द अर्बन स्प्राल इन्फ़ॉर्मेशन सिस्टम' को भी आगे बढ़ा रही हैं।

सुश्री श्वेता को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु निम्न सम्मान मिले हैं -

स्पेस एप्लीकेशंस सेंटर शाइनिंग स्टार अवॉर्ड (2024)

यंग जियोस्पेशियल साइंटिस्ट अवॉर्ड (2016)

इसरो टीम एक्सेलेंस अवॉर्ड (2013)

यह सम्मान उनकी वैज्ञानिक साधना, सतत विकास व ऊर्जा योजना में अंतरिक्ष-आधारित जियोस्पेशियल विज्ञान के अनुप्रयोग तथा विज्ञान-प्रौद्योगिकी में महिलाओं के प्रेरक योगदान को मान्यता देता है। सुश्री श्वेता जायसवाल मिश्रा और उनके परिवार को इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई एवं उनके वैज्ञानिक सफ़र के लिए शुभकामनाएँ।

रसीलपुर , पिपरिया चंपत एवं हटा मंडी में मूंग व उड़द खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

दमोह। जिले में हो रही मूंग खरिदी केन्द्रो का कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने निरीक्षण के दौरान केन्द्रो पर अनियमितता पाए जाने पर समिति एवं गोदाम सर्वेयर को तत्का?ल पृथक करने एवं समिति प्रबंधक के विरूद्ध कार्यवाही करने के दिए निर्देश रसीलपुर, पिपरिया चंपत एवं हटा मंडी में मूंग एवं उड़द खरीदी केन्द्रों का निरीक्षण किया। सेवा सहकारी समिति कुण्डलपुर हटा द्वारा संचालित मूंग एवं उड़द खरीदी केन्द्र कृषि उपज मंडी हटा का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान

अनियमितता पाए जाने से समिति एवं गोदाम सर्वेयर को तत्का?ल पृथक करने एवं समिति प्रबंधक के विरूद्ध कार्यवाही करने के निर्देश सहायक आयुक्त सहकारिता को दिए गए। सेवा सहकारी समिति पिपरिया चंपत द्वारा संचालित मूंग एवं उड़द खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। इस दौरान कृषकों से चर्चा की। साथ ही समिति प्रबंधकों को खरीदी केन्द्र के सबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। खरीदी केन्द्र को सुचारू रूप से संचालित करने हेतु जिला विपणन अधिकारी दमोह को जिम्मेदारी दी गई। इस दौरान सेवा सहकारी समिति रसीलपुर द्वारा संचालित मूंग एवं उड़द खरीदी केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खरीदी केन्द्र के बाहर 65 ट्राली की लाईन पाई गई जिस कारण खरीदी केन्द्र प्रभारी को बैकलॉक खत्म कर कृषकों को उसी दिन खरीदी पूर्ण करने के निर्देश दिए।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय सेमरखापा में नशामुक्ती कार्यक्रम हुआ

यातायात पुलिस विभाग द्वारा किया गया कार्यक्रम आयोजित

मंडला। जिले के सेमरखापा स्थित एकलव्य विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम और ट्रैफिक जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।इस महत्वपूर्ण पहल में विद्यालय के 400 छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।कार्यक्रम का नेतृत्व मंडला के ट्रैफिक सूबेदार योगेश राजपूत और विवेक करोसिया ने किया।

उन्होंने छात्रों को नशे के घातक परिणामों और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस दौरान, छात्रों को नशा से दूर रहने और एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, उन्हें यह भी समझाया गया कि वे अपने परिवार और आसपास के व्यक्तियों को भी नशे से दूर रहने के लिए जागरूक करें। यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे का आदी है, तो उन्हें सहायता प्रदान करने के लिए उपलब्ध कराए गए हेल्पलाइन मानस हेल्पलाइन नंबर 1933, नशामुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446 भी दिए गए। इससे नशा पीड़ितों को सही दिशा में मदद मिल सकेगी। ट्रैफिक जागरूकता सत्र में यातायात संकेतों, पैदल चलने वालों की सुरक्षा और वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों पर विशेष जोर दिया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को एक जिम्मेदार नागरिक बनाने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जिसमें न केवल छात्रों को बल्कि उनके परिवारों और समुदाय को भी शामिल करने का प्रयास किया गया।

दो गंभीर एनिमिक महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जबेरा में सुरक्षित रूप से रक्त आपूर्ति की गई

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जबेरा में 15 यूनिट रक्त एकत्रण किया गया

दमोह। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जबेरा में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिसमें क्षेत्र के युवाओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने बड़े उत्साह से रक्तदान किया। जिला पैथालॉजिस्ट डॉ. प्रशांत सोनी के निगरानी में शिविर में 15 यूनिट रक्त एकत्रण किया गया। शिविर की खास बात रही कि शिविर में इकट्ठा किये गये रक्त से दो गंभीर एनिमिक महिलाओं को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जबेरा में रक्त चढ़ाया गया। संस्था में ही कार्यरत मेडिकल ऑफीसर डॉ. रवि यादव ने भी रक्तदान किया। इस मौके पर सी.बी.एम.ओ. डॉ. डी.के.राय, एम.ओ. डॉ. रवि यादव, जिला स्तर से सीनियर लैब टैक्नीशियन जितेन्द्र रैकवार एवं अशोक आर्य मौजूद रहे।

सी.बी.एम.ओ. जबेरा ने बताया कि शिविर दौरान एकत्रित 15 यूनिट रक्त से ग्राम जिलेहरी की आरती गौंड जिनके गर्भावस्था के छःमाह पूर्ण हो चुके हैं एवं ग्राम सिंगपुर की रश्मि जो गर्भावस्था के सातवें माह में है। सुरक्षित रूप से रक्त चढ़ाया गया। डॉ. राय ने बताया कि जिला स्तर से स्वास्थ्य विभाग द्वारा मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सशक्त एवं सुलभ बनाने के उद्देश्य से प्रत्येक माह दो विकासखंडों में रक्तदान शिविर आयोजित करने के लिये गये निर्णय के परिपेक्ष्य में आज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जबेरा में शिविर आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद जिला इकाई की बैठक का आयोजन शारदा मन्दिर बरमान में सम्पन्न

परिषद मे भले ही कम लोग रहे लेकिन गलत लोगों को जगह नहीं मिलेगी ..पं. भागीरथ तिवारी

नरसिंहपुर। राष्ट्रीय श्रमजीवी पत्रकार परिषद जिला इकाई की बैठक का आयोजन जिलाध्यक्ष पं.भागीरथ तिवारी के नेतृत्व मे रेतघाट बरमान पर किया गया. बैठक मे महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई. जिसमें परिषद द्वारा जिला स्तरीय पत्रकार सम्मेलन किए जाने के साथ ही जिले भर मे तहसील स्तर पर बैठकों के आयोजन एवं उनके स्थान दिनांक आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी बैठक पटल पर रखी गई. जिसमें करेली, गाड़रवाडा, साइखेड़ा, तेंदूखेड़ा, नरसिंहपुर और गोटेगांव तहसीलों मे बैठकों के बाद जिला सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा. बैठक मे पत्रकारों द्वारा पर्यावरण संरक्षण हेतु ब्रक्षारोपण करना व रोपण किए गए पौधों की सुरक्षा व्यवस्था करना आदि विषयों पर चर्चा की गई. सभी पत्रकारों ने अपने विचार रखे. इस मोका पर जिलाध्यक्ष पं. तिवारी जी ने बताया कि आज हम सभी

पत्रकार साथियों द्वारा माँ नर्मदा के पावन आँचल मे विराजमान शारदा माता के दरबार मे विभिन्न मुद्दों को लेकर परिषद के उच्चाधिकारियों के आदेश से बैठक का आयोजन किया जा रहा है. जिसमें उक्त विषयों पर चर्चा की गई और हमारा मुख्य उद्देश्य है कि पत्रकारों को आवश्यक दिशा-निर्देश के अनुरूप कार्य करने के साथ ही इस बात पर जोर दिया गया है कि भले ही हमारे परिषद मे संख्या कम हो लेकिन अच्छे लोगों को ही परिषद मे स्थान दिया जाएगा. पत्रकारों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा कानून लागू कराने की दिशा मे भी सतत प्रयास जारी हैं. बैठक मे महासचिव राजकुमार कौरव, सतीश लवानिया, सन्ना खान, गीत गोविंद पटेल, तुलसीराम राठौर, ऋषि पचोरी, नरेश पांडे, आशीष नेमा, हेमंत शुक्ला, महेंद्र तिवारी आदि की उपस्थिति रही. मंच संचालन मे राजकुमार जी और सन्ना खान जी ने आकर्षक भूमिका निभाई।

आदिमजाति के डीसी जगदीश सरवटे के 3 ठिकानों पर ईओडब्ल्यू का छापा, 5.90 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति मिली

भोपाल। आदिम जाति कल्याण विभाग के डिप्टी कमिश्नर जगदीश सरवटे के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों की जांच में आर्थिक अन्वेषण ब्यूरो (ईओडब्ल्यू) ने बड़ी कार्रवाई की। मंगलवार सुबह 11 बजे जबलपुर, सागर और भोपाल स्थित ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की गई। करीब 10 घंटे की इस कार्रवाई में सरवटे और उनके परिजनों के पास से करीब 5 करोड़ 90 लाख रुपए की अवैध संपत्ति का खुलासा हुआ। ईओडब्ल्यू की प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि सरवटे के पास उनकी वैध आय

से कई गुना अधिक संपत्ति है, जिसमें जमीन, मकान, नकद, और लग्जरी सामान शामिल हैं। यही नहीं, उनके पास से 56 महंगी शराब की बोतलें भी बरामद हुईं। जांच में यह भी पता चला है कि उनकी मां और भाई के नाम पर भी करोड़ों की अचल संपत्ति दर्ज है। डिप्टी कमिश्नर सरवटे ने अधिकांश समय जबलपुर में सेवाएं दी और हाल ही में उनका तबादला सागर किया गया। वे वर्तमान में आदिम जाति कल्याण विभाग में डिप्टी कमिश्नर के पद पर कार्यरत हैं और जबलपुर के परीक्षा पूर्व प्रशिक्षण केंद्र का अतिरिक्त प्रभार भी संभालते हैं। ईओडब्ल्यू ने जगदीश सरवटे के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 (संशोधित 2018) की धारा 13 (1) (बी) और 13 (2) के तहत मामला दर्ज किया था। इस जांच के तहत 22 जुलाई को ईओडब्ल्यू की तीन शहरों-जबलपुर, सागर, और भोपाल-में उनके ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की।

शासकीय आवास और पैतृक मकान पर टीम तैनात की गईं

जबलपुर ईओडब्ल्यू की दो टीमें शंकर शाह नगर, रामपुर में सरवटे के शासकीय आवास और आधारताल में उनके पैतृक मकान पर तैनात की गईं। सागर ईओडब्ल्यू की एक टीम ने सरवटे के सागर स्थित शासकीय आवास की तलाशी ली। एक अन्य टीम ने भोपाल के बाग मुगलिया में उनके मकान पर छापा मारा। ईओडब्ल्यू की कार्रवाई फिलहाल जारी है और अनुमान है कि जांच पूरी होने पर बेहिसाब संपत्ति का आंकड़ा और बढ़ सकता है। विभागीय सूत्रों के अनुसार, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, दस्तावेजों और बैंक लेन-देन की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

नशे के दुष्यप्रभावों के प्रति जन-जागरूकता आवश्यक पुलिस उप महानिरीक्षक

शहडोल। प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी अभियान 30 जुलाई तक चलाया जा रहा है। इस अभियान का उददेश्य मध्यप्रदेश को नशा मुक्त बनाना एवं समाज के विभिन्न वर्गों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना है। नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत संभागीय मुख्यालय शहडोल के अशासकीय सेंट्रेल एकेडमी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल में नशा मुक्ति जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पुलिस उप महा निरीक्षक सुश्री सविता सोहाने ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्यप्रभावो के बारे में अवगत कराया गया। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज बनाने के लिए हम सब को मिलकर कार्य करना होगा, नशा से होने वाले दुष्यप्रभावो के बारे में स्वय जागरूक रहे और दूसरो को भी जागरूक करें। सुश्री सविता सुहाने ने कहा कि नशे से दूर रहकर यदि युवा अपने जीवन के लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें तो कोई भी उन्हें सफल होने से नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि नशा केवल एक व्यक्ति का शारीरिक और मानसिक पतन नहीं करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। युवाओं को इस दिशा में जागरूक करना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि वे ही देश का भविष्य हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियो को नशा मुक्ति की शपथ भी दिलाई गई। इस अवसर पर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र तिवारी, प्राचार्य संजय मिश्रा सहित विद्यार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा बीसीसीआई, क्या खत्म होगी बोर्ड की बादशाहत

नई दिल्ली, एजेंसी। खेल विधेयक का 14 साल का इंतज़ार बुधवार को खत्म हो जाएगा जब इसे बुधवार सुबह 11 बजे संसद में पेश किया जाएगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और भारत में खेल संचालन करने वाले सभी अन्य महासंघ इस विधेयक के दायरे में आ जाएंगे। इस विधेयक की रूपरेखा अजय माकन ने 2011 में रखी थी, लेकिन उनकी पार्टी के कई महासंघों के सहयोगियों के विरोध के कारण यह विधेयक पारित नहीं हो सका। खेल मंत्री मनसुख मंडाविया का कहना है कि उन्होंने इस विधेयक को आकार देने के लिए माकन के ज्ञान और पुराने मसौदे का सहारा लिया है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड भी राष्ट्रीय खेल प्रशासन विधेयक का हिस्सा होगा, जिसे बुधवार को संसद में पेश किया जाना है। खेल मंत्रालय के एक विश्वसनीय सूत्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बीसीसीआई भले ही सरकार से वित्तीय मदद पर निर्भर ना हो लेकिन उसे प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल बोर्ड से मान्यता लेनी होगी। मामले से जुड़े एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, 'सभी राष्ट्रीय महासंघों की तरह, बीसीसीआई को भी इस विधेयक के अधिनियम बन जाने के बाद देश के कानून का पालन करना होगा। वे मंत्रालय से वित्तीय मदद नहीं लेते लेकिन संसद का अधिनियम उन पर लागू होता है।' सूत्र ने कहा, 'बीसीसीआई अन्य सभी एनएसएफ की तरह एक स्वायत्त निकाय बना रहेगा लेकिन उनसे जुड़े विवादों का निपटारा प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट करेगा। यह पंचाट चुनाव से लेकर चयन तक के खेल मामलों से जुड़े विवाद का समाधान निकाय बन जाएगा।

पूरी तरह सरकार का नहीं होगा नियंत्रण

सूत्र ने कहा, 'इस विधेयक का मतलब किसी भी एनएसएफ पर सरकारी नियंत्रण नहीं है। सरकार सुशासन सुनिश्चित करने में एक सूत्रधार की भूमिका निभाएगी।' क्रिकेट (टी20 प्रारूप) को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में शामिल किया गया है और इस तरह से बीसीसीआई पहले ही ओलंपिक आंदोलन का हिस्सा बन चुका है। खेल प्रशासन विधेयक का उद्देश्य समय पर चुनाव, प्रशासनिक जवाबदेही और खिलाड़ियों के कल्याण के लिए एक मजबूत खेल ढांचा तैयार करना है। राष्ट्रीय खेल बोर्ड (एनएसबी) को पूरी तरह से केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त किया जाएगा। इसके पास व्यापक अधिकार होंगे कि वह शिकायतों के आधार पर या 'अपने विवेक' से चुनावी अनियमितताओं से लेकर वित्तीय गड़बड़ी तक के उल्लंघनों के लिए खेल संघों को मान्यता प्रदान करे या निलंबित भी करे।

इस विधेयक में प्रशासकों की आयु सीमा के पेचीदा मुद्दे पर कुछ रियायत दी गई है जिसमें 70 से 75 वर्ष की आयु के लोगों को चुनाव लड़ने की अनुमति दी गई है बशर्ते संबंधित अंतरराष्ट्रीय संस्थायें आपत्ति नहीं करें। एनएसबी में एक अध्यक्ष होगा और इसके सदस्यों की नियुक्ति केंद्र सरकार द्वारा की जाएगी। यह नियुक्तियां एक खोज-सह-चयन समिति की सिफारिशों के आधार पर की जाएंगी। चयन समिति में अध्यक्ष के तौर पर कैबिनेट सचिव या खेल सचिव, भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के महानिदेशक, दो खेल प्रशासक (जो किसी राष्ट्रीय खेल संस्था के अध्यक्ष, महासचिव या कोषाध्यक्ष के रूप में काम कर चुके हों) और एक प्रतिष्ठित खिलाड़ी शामिल होगा जो द्रोणाचार्य, खेल रत्न या अर्जुन पुरस्कार विजेता हो।

खिलाड़ियों के भलाई के लिए किया जा ऐसा: सूत्र ने कहा, 'यह एक खिलाड़ी-केंद्रित विधेयक है जो स्थिर प्रशासन, निष्पक्ष चयन, सुरक्षित खेल और शिकायत निवारण के साथ राष्ट्रीय खेल संघों का वित्तीय लेखा-जोखा और बेहतर कोष प्रबंधन सुनिश्चित करेगा।' उन्होंने कहा, राष्ट्रीय खेल पंचाट यह सुनिश्चित करेगा कि अदालती मामलों में देरी के कारण खिलाड़ियों के करियर को कोई नुकसान न हो। अभी भी अदालतों में 350 विभिन्न मामले चल रहे हैं जहां मंत्रालय भी एक पक्ष है। इसे समाप्त करने की आवश्यकता है।' जैसा कि पिछले साल जारी किए गए मसौदे में उल्लेख किया गया था, बोर्ड के पास राष्ट्रीय खेल महासंघों को मान्यता देने और किसी राष्ट्रीय खेल महासंघ के निलंबित होने की स्थिति में व्यक्तिगत खेलों के संचालन के लिए तदर्थ पैनल गठित करने का अधिकार होगा।

इसे भारत में खिलाड़ियों के कल्याण के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाओं के साथ मिलकर काम करने और अंतरराष्ट्रीय मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघों को दिशा निर्देश जारी करने का भी अधिकार होगा। ये सभी काम अब तक आईओए के अधिकार क्षेत्र में थे जो एनएसएफ से संबंधित मामलों के लिए नोडल निकाय के रूप में कार्य करता था। बोर्ड को किसी भी राष्ट्रीय संस्था की मान्यता रद्द करने का अधिकार दिया गया है जो अपनी कार्यकारी समिति के चुनाव कराने में विफल रहती है या जिसने 'चुनाव प्रक्रियाओं में घोर अनियमितताएं' की हैं। आईओए ने परामर्श के चरण में बोर्ड का कड़ा विरोध किया था और इसे सरकारी हस्तक्षेप बताया था जिससे अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) द्वारा प्रतिबंध लग सकते हैं।

आईओसी के सहयोग से तैयार होगा मसौदा: खेल मंत्री मनसुख मंडाविया ने हालांकि कहा था कि दस्तावेज का मसौदा तैयार करते समय आईओसी से उचित परामर्श किया गया है। वहीं 2036 ओलंपिक खेलों की मेजबानी के लिए भारत की बोली के लिए आईओसी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध महत्वपूर्ण होंगे। सूत्र ने कहा, 'अब सभी सहमत हैं। यह विधेयक स्पष्ट रूप से ओलंपिक चार्टर के अनुरूप है और यहां तक कि आईओसी भी महसूस करता है कि इसे तैयार करने में अच्छा काम किया गया है।' प्रस्तावित राष्ट्रीय खेल पंचाट का उद्देश्य 'खेल-संबंधी विवादों का स्वतंत्र, शीघ्र, प्रभावी और किफायती निपटान' प्रदान करना है। मंत्रालय के सूत्र ने कहा, 'पंचाट के फैसले को केवल सर्वोच्च न्यायालय में ही चुनौती दी जा सकती है।' पंचाट से जुड़ी नियुक्तियां केंद्र सरकार के हाथों में होंगी। यह एक ऐसी समिति की सिफारिशों पर आधारित होंगी जिसकी अध्यक्षता भारत के प्रधान न्यायाधीश या उनके द्वारा अनुशंसित उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश करेंगे। केंद्र सरकार के पास वित्तीय अनियमितताओं और 'सार्वजनिक हित' के प्रतिकूल कार्यों सहित उल्लंघनों के मामले में इसके सदस्यों को हटाने की शक्ति होगी।

छह राज्यों में सालाना जीएसटी कर संग्रह एक लाख करोड़ से अधिक

नई दिल्ली, एजेंसी। वस्तु एवं सेवा कर यानी जीएसटी के लागू हुए 8 साल पूरे हो गए हैं। इस दौरान सक्रिय करदाताओं की संख्या के मामले में उत्तर प्रदेश शीर्ष पर है, लेकिन अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी रखने वाले बाकी बड़े राज्यों का हिस्सा काफी कम है। खास बात है कि पंजीकृत हर पांच करदाताओं में एक महिला शामिल है।

एसबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसदी योगदान देने वाले यूपी में कुल 20.08 लाख या 13.2 फीसदी सक्रिय करदाता हैं।लेकिन, बाकी बड़े राज्यों का हाल इसके उलट है। तमिलनाडु अर्थव्यवस्था में 8.9 फीसदी योगदान देता है, जबकि राज्य में सक्रिय जीएसटी करदाताओं में हिस्सेदारी 7.7 फीसदी है। कर्नाटक अर्थव्यवस्था में 8.4 फीसदी योगदान देता है, जबकि सक्रिय करदाताओं का हिस्सा 6.9 फीसदी है। वहीं, तेलंगाना में सक्रिय करदाताओं की हिस्सेदारी 3.6 फीसदी और आंध्र प्रदेश में 2.8 फीसदी के स्तर पर है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश, बिहार और गुजरात जैसे राज्यों की कुल जीएसटी करदाताओं में हिस्सेदारी उनकी जीडीपी की तुलना में अधिक है। इससे संकेत मिलता है कि इन राज्यों में जीएसटी करदाताओं की संख्या बढ़ने की अपार संभावनाएं है।

पंजीकृत करदाताओं में से 14 फीसदी जो करदाता हैं, उन सभी में महिला सदस्य है। खासकर लिमिटेड लायबिलिटी पार्टनरशिप (एलएलपी) और निजी लिमिटेड कंपनियों में काफी अधिक संख्या में महिलाएं हैं। प्रोपराइटर कंपनियों में 16.7 फीसदी में एक महिला सदस्य या सभी सदस्य महिला हैं। भागीदारी वाली कंपनियों में से 41.9 फीसदी में एक महिला सदस्य और 5.3 फीसदी में सभी सदस्य महिलाएं हैं। प्राइवेट लिमिटेड वाली कंपनियों में 46.8 फीसदी में एक महिला सदस्य है।

जीएसटी में पंजीकृत करदाताओं में प्रोपराइटरशिप कंपनियों का हिस्सा सबसे अधिक 77.6 फीसदी (1.17 करोड़) है। भागीदारी वाली कंपनियों का हिस्सा 9.7 फीसदी और प्राइवेट लिमिटेड का 6.8 फीसदी है। सरकारी विभागों की हिस्सेदारी 1.3 फीसदी और लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप का हिस्सा 1.1 फीसदी है। इस समय कुल 1.52 करोड़ से अधिक सक्रिय जीएसटी पंजीकरण हैं। शीर्ष-5 राज्यों में कुल सक्रिय जीएसटी करदाताओं का लगभग 50 फीसदी हिस्सा है। इनका कुल राजस्व में 41 फीसदी योगदान है। जीएसटी में सामान्य करदाताओं की संख्या 1.33 करोड़ के साथ सबसे अधिक है। छह राज्यों ने एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। केवल पांच वर्षों में (वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25) सकल जीएसटी संग्रह दोगुना हो गया। औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह लगभग 2 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी प्रवर्तन को संवेदनशीलता के साथ संतुलित किया जाना चाहिए, क्योंकि यूपीआई लेनदेन पर आक्रामक जांच छोटे व्यवसायों को अनौपचारिक नकदी आधारित अर्थव्यवस्था में वापस ला सकती है। कर्नाटक में छोटे व्यापारी जीएसटी नोटिस के कारण नकद लेनदेन को प्राथमिकता दे रहे हैं। अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था की दीर्घकालिक सफलता छोटे व्यापारियों को दंडित करने के बजाय उनके सशक्तिकरण पर निर्भर करेगी।

भारत कई वैश्विक संकटों से उबरा अगले डेढ़ दशक में हासिल कर लेगा 7-8 फीसदी की वृद्धि दर

नई दिल्ली, एजेंसी। हाल के वर्षों में कई वैश्विक संकटों से सफलतापूर्वक उबर चुका भारत अगले डेढ़ दशक में 7 से 8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। डेलॉय की दक्षिण एशिया इकाई के सीईओ रोमल शेट्टी ने कहा, चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था 6.7 फीसदी की दर से बढ़ सकती है। इसका मुख्य कारण सेवाओं में मजबूत प्रदर्शन, बढ़ता बाजार निवेश व कृषि उत्पादकता में सुधार है। रोमल ने कहा, कोविड महामारी, कईदेशों में तनाव और अन्य उथल-पुथल जैसे बड़े झटकों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था जुझारू बनी हुई है और ठोस वृद्धि के लिए तैयार है। भारत की मुख्य रूप से सेवा आधारित अर्थव्यवस्था वैश्विक व्यापार चुनौतियों से काफी हद तक अप्रभावित रहती है। इसलिए, अगले 10-15 वर्षों में यह आसानी से सात-आठ फीसदी की रफ्तार से बढ़ सकती है। उन्होंने कहा, भारत में दुनिया के 50 फीसदी से अधिक वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) हैं।

आल फार्मेसिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक में की नई नियुक्तियां

भोपाल। आल फार्मेसिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री सुग्रीव साहू के नेतृत्व में आयोजित यूनियन की बैठक में नवीन नियुक्तियाँ की गई जिसमें राजेश रंगडाले जी को प्रदेश मीडिया प्रभारी, जीतू शर्मा जी को जिला अध्यक्ष भोपाल (शहरी), तपन शर्मा जी को जिला अध्यक्ष भोपाल (ग्रामीण), के.के. बाड़ोनिया जी को सागर प्रदेश कार्यकारिणी में विशेष आमंत्रित सदस्य, सुजल विश्वकर्मा को आई.टी. सेल, रोशनी रजक जी को जिला भोपाल का प्रभार दिया गया साथ ही लाखन रूहेला जी भोपाल (युवा) का जिला अध्यक्ष एवं पाँच जिलों का प्रभार दिया गया। प्रदेश अध्यक्ष सुग्रीव साहू ने उक्त नव-नियुक्तियों से यूनियन को और अधिक मज़बूती प्रदान करने तथा संचालित गतिविधियों में पारदर्शिता लाने की बात कही।

ड्राई फ्रूट्स की दुकान में लगी भयानक आग

भोपाल। व्यस्ततम एवं पुराने मार्केट हनुमानगंज गल्ला बाजार में ड्राई फरूट्स किराना व्यापारी अमित बत्रा के जहाँ भयंकर आग लगी। किराना व्यापारी महासंघ के महामंत्री विवेक साहू ने बताया की मैं हनुमानगंज मार्केट में ही रहता हूं, रात्रि करीब 11.30 के बाद कुछ जलने की बदबू एवं धुआँ का एहसास हुआ,बाहर जाकर देखा तो बहुत से लोग शंकर बत्रा एवं अमित बत्रा की ज्ञानचंद एंड संस प्रतिष्ठान के बाहर खड़े हुए थे, जहाँ भयंकर आग लग चुकी थी, फायर ब्रिगेड के साथ पुलिस प्रशासन भी आ गई परन्तु दुकान मालिक को कुछ समय लग गया जिसके कारण शटर खुलने में समय लग गया, फिर फायर ब्रिगेड ने तत्परता के साथ आग को काबू में पाया गया, आग पूर्ण रूप से बुझाने में रात्रि करीब 1 बज गए थे। कारोबारी अमित बत्रा एवं शंकर बत्रा ने बताया कि प्रथम दृष्टता में आग शॉर्ट सर्किट की वजह से हो सकती है, वही अभी नुकसान का आकलन करना अभी मुश्किल है मैंने अभी 22 जनवरी को ही नई दुकान खोली थी।

देश में सबसे ज्यादा राजस्व देने वाला वैश्य समाज अब सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाला बनेगा

भोपाल। इन्टरनेशनल वैश्य फेडरेशनकी प्रदेश कार्यकारिणी एवं जिलाध्यक्ष कीबैठक भोपाल के एक होटल में संपन्न हुई, जिसमें मुख्य अतिथि इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अशोक अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि देश और विदेश में वैश्य समाज की सबसे बड़ी संस्था हमारी है देश के सभी राज्यों में हमारी संस्था कार्यशील है और विदेश में भी जैसे- दुबई, हॉगकॉग, थाइलैंड आदि देशों में हमारी संस्था के चैप्टरहै। वैश्य समाज देश में सबसे ज्यादा 75त्र सरकार को राजस्व देता है तथा अब हमने जो रक्तदान का कार्यक्रम किया है उसमें भीवैश्य समाज सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाला बन रहा है।आपने कहा कि इंटरनेशनल वैश्य फेडरेशन को बृहद वैश्य समाज को अपने-अपने जिलों में विभिन्न घटकों के सदस्यों को जोड़कर वैश्य समाज को संगठित कर मजबूत करना चाहिए। हमारी संस्था ने वैश्य व्यापारिक ऐप बनाया है जिसमें वैश्य समाज के लोग जुड़ेंगे तो अधिक से अधिक व्यापार एवं उद्योग के विकास में मदद होगी तथा आप लोग आगे बढ़ेंगे।

भोपाल। राजधानी के पार्कों में इन दिनों हरियाली चारों ओर नजर आ रही है। इसका आनंद उठाने के लिए लोग बड़ी संख्यां में पहुंचते हैं।

विश्व बैंक की रिपोर्टः पांच साल में 70 फीसदी नई नौकरियां शहरों से आएंगी, खर्च करने होंगे 2.4 लाख करोड़ डॉलर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय शहरों में आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं। 2030 तक 70 प्रतिशत नई नौकरियां शहरों से ही आएंगी। यह खुलासा विश्व बैंक की नई रिपोर्ट में हुआ है। रिपोर्ट में भारतीय शहरों को जलवायु जोखिमों से निपटने के लिए 2050 तक कम कार्बन उत्सर्जन वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए 2.4 लाख करोड़ डॉलर से अधिक के निवेश की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय के साथ मिलकर तैयार की गई टुवर्ड्स रेसिलिएंट एंड प्रोस्पेरोउस सिटीज इन इंडिया (भारत में समुत्थानशील और समृद्ध शहरों की ओर) नामक शीर्षक की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की शहरी आबादी 2050 तक दोगुनी होकर 95.1 करोड़ हो की उम्मीद है। इसके लिए 2070 तक 14.4 करोड़ से अधिक नए घरों की जरूरत होगी। इसके साथ ही इन शहरों को जलवायु चुनौतियों से भी निपटना होगा। बढ़ते शहरीकरण के चलते शहरी के तापमान में 3-4 डिग्री का इजाफा भी होगा। इसके अलावा इन क्षेत्रों में वर्षाजन्य बाढ़ की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। चेन्नई, इंदौर, नई दिल्ली, लखनऊ, सूरत और तिरुवनंतपुरम पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए 24 भारतीय शहरों का अध्ययन करने वाली नई रिपोर्ट में पाया गया है कि समय रहते कम कॉबर्न उत्सर्जन वाले बुनियादी ढांचे के निर्माण से भविष्य में मौसम के प्रभावों से होने वाले अरबों डॉलर के वार्षिक नुकसान को टाला जा सकता है। उदाहरण के लिए वार्षिक वर्षाजन्य बाढ़ से होने वाले नुकसान को वर्ष 2030 तक 5 अरब डॉलर से अधिक और वर्ष 2070 तक 30 अरब डॉलर से अधिक का नुकसान होने की संभावना है। 2050 तक अपेक्षित 50 प्रतिशत से अधिक शहरी बुनियादी ढांचे का निर्माण भी किया जाना है, इसलिए भारत के पास उन्नतशील शहरी बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

चॉइस इंटरनेशनल ने पहली तिमाही के शानदार वित्तीय प्रदर्शन के साथ पकड़ी गति

मुंबई, एजेंसी। चॉइस इंटरनेशनल लिमिटेड (बीएसई- 531358, एनएसई-चॉइसइन), जो देश भर में परिचालित अग्रणी वित्तीय सेवा कंपनियों में से एक है, ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही के अपने परिणामों की घोषणा की है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में कुल आय रु. 238 करोड़ दर्ज की, जो साल-दर-साल 16 प्रतिशत की वृद्धि है, जबकि कर पश्चात लाभ सालाना स्तर पर 50 प्रतिशत बढ़ा है। कारोबारी स्तर पर, स्टॉक ब्रोकिंग का योगदान कुल आय में 60 प्रतिशत, एडवाइजरी (परामर्श) का 24 प्रतिशत और एनबीएफसी का योगदान 16 प्रतिशत रहा। डीमैट खातों की संख्या 11.50 लाख रही, जो साल-दर-साल 29 प्रतिशत की वृद्धि है। स्टॉक ब्रोकिंग के अंतर्गत ग्राहकों की संपत्ति 47.8 हज़ार करोड़ रुपये रही, जिसमें सालाना आधार पर 16 प्रतिशत की आश्चर्यजनक वृद्धि दर्ज हुई। संपत्ति प्रबंधन से जुड़े उत्पादों का एयूएम 4,769 करोड़ रुपये तक पहुंचा, जो 443 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। बीमा प्रीमियम रु. 76 करोड़ रहा, जिसमें सालाना आधार पर 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि बेची गई पॉलिसियों की संख्या 39,182 रही, जो सालाना 46 प्रतिशत अधिक है। वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के अंत में एनबीएफसी खंड के लिए कुल ऋण पुस्तिका 745 करोड़ रुपये रही, जिसमें खुदरा ऋण पुस्तिका 596 करोड़ रुपये की रही और 30 जून, 2025 तक शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां (एनएनपीए) 2.25 प्रतिशत रहीं। सलाहकार खंड की ऑर्डर पुस्तिका 586 करोड़ रुपये रही।

आईडीबीआई बैंक लिमिटेड - वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के वित्तीय परिणाम

मुंबई, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही के लिए अपने नतीजों की घोषणा कर दी। बैंक ने वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में 17 प्रतिशत की मजबूत वायओवाय वृद्धि के साथ 2,007 करोड़ का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। परिचालन लाभ 2,354 करोड़ रहा। एनआइएम 3.68 प्रतिशत तथा ब्याज से होने वाली शुद्ध आय 3,166 करोड़ रही। 2026 की पहली तिमाही के लिए जमा लागत 4.84 प्रतिशत थी, जो 2025 की पहली तिमाही के लिए 4.58 प्रतिशत थी। सीआरएआर 297 बीपीएस की वायओवाय वृद्धि के साथ 25.39 प्रतिशत रहा। 2026 की पहली तिमाही के लिए रिटर्न ऑन एसेट्स 18बीपीएस की वृद्धि के साथ 2.01 प्रतिशत पर पहुँच गया, जबकि 2025 की पहली तिमाही के लिए यह 1.83 प्रतिशत था। रिटर्न ऑन ईक्विटी 17.91 प्रतिशत रहा। शुद्ध एनपीए, जो 30 जून 2024 को 0.23 प्रतिशत था, वह घटकर 0.21 प्रतिशत रह गया। सकल एनपीए, जो 30 जून 2024 को 3.87 प्रतिशत था, वह घटकर 2.93 प्रतिशत रह गया। पीसीआर, जो 30 जून 2024 को 99.34 प्रतिशत, वह कम होकर 99.31 प्रतिशत हो गया।

गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फ्लिप7को एस25 सीरीज़ के बराबर प्री-ऑर्डर्स मिले

गुरुग्राम , एजेंसी। भारत के सबसे बड़ेकंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने घोषणा है कि इसके हाल में लॉन्च किए गए नए स्मार्टफोन्स - गैलेक्सी जेड फोल्ड7, गैलेक्सी जेड फ्लिप7और गैलेक्सी जेड फ्लिप7 स्नश्च - को पहले 48 घंटों में रिकॉर्ड 210,000 प्री-ऑर्डर्स मिले हैं। यह अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है और इस साल की शुरुआत में गैलेक्सी एस25 सीरीज के लिए प्राप्त प्री-ऑर्डर्स के लगभग बराबर है। यह दिखाता है कि लोगों में ब्रांड के फोल्डेबल स्मार्टफोन की सातवीं पीढ़ी के लिए जबर्दसत मांग और उत्साह है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा, हमारे मेड इन इंडिया फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मिले रिकॉर्ड प्री-ऑर्डर दिखाते हैं कि भारत के युवा नई तकनीक को अपनाने में काफी तेज हैं। गैलेक्सी जेड फोल्ड7 अब तक का सबसे उन्नत स्मार्टफोन है, जो ताकत, खूबसूरती, स्मार्टनेस और आसान पोर्टेबिलिटी देता है। गैलेक्सी जेड फ्लिप7 यूजर्स की जरूरतों को समझता है, उन्हें आसान बनाता है और दुनिया से जोड़ने का स्मार्ट तरीका देता है। नए वन 8 और एंड्रॉयड 16 के साथ, ये फोन शानदार एआईअनुभव देते हैं। इन फोन्स की सफलता भारत में फोल्डेबल स्मार्टफोन्स को मुख्यधारा में लाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

सैमसंग इंडिया ने गैलेक्सी वॉच8 सीरीज की प्री-बुकिंग शुरू की

गुरुग्राम एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने आज गैलेक्सी वॉच8 और गैलेक्सी वॉच8 क्लासिक को लॉन्च किया है। यह सीरीज पूरे गैलेक्सी वॉच लाइनअप में एक प्रतिष्ठित डिज़ाइन पहचान स्थापित करती है। गैलेक्सी वॉच अल्ट्रा के कुशन डिज़ाइन की बुनियाद पर आधारित, यह सीरीज़ अब तक की सबसे पतली गैलेक्सी वॉच है। लॉन्च के तहत, सैमसंग आकर्षक प्रारंभिक कीमतों और विशेष प्री-ऑर्डर लाभ प्रदान कर रहा है। गैलेक्सी वॉच8 40 एमएमबीटी की कीमत 32,999 रुपये है और 40 एमएमएलटीई वर्जन 36,999 रुपये में उपलब्ध है।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, ओलंपिक में गोल्ड जीतने वाले को मिलेंगे 7 करोड़, नौकरी भी दी जाएगी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक पदक विजेताओं के लिए पुरस्कार राशि में ऐतिहासिक वृद्धि की घोषणा की है। दिल्ली के खेल मंत्री आशीष सूद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अब ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी को सात करोड़ रुपये, रजत पदक विजेता को पांच करोड़ रुपये और कांस्य पदक विजेता को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे। इसके साथ ही, स्वर्ण और रजत पदक विजेताओं को दिल्ली सरकार ग्रुप ए की नौकरी प्रदान करेगी, जबकि कांस्य पदक विजेताओं को ग्रुप बी की नौकरी दी जाएगी। पहले दिल्ली सरकार स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः तीन करोड़, दो करोड़ और एक करोड़ रुपये देती थी। लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में इस राशि को बढ़ाया गया है।

मंत्री सूद ने कहा कि यह निर्णय खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने और खेलों में भारत का नाम रोशन करने के लिए लिया गया है। इस कदम ने दिल्ली को पुरस्कार राशि के मामले में हरियाणा से आगे कर दिया, जहां स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः छह करोड़, चार करोड़ और ढाई करोड़ रुपये मिलते हैं। यह योजना दिल्ली के खिलाड़ियों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में मदद करेगी।

वरिष्ठ नागरिकों के लिए हेल्थ बीमा प्रीमियम पर खत्म हो सकता है जीएसटी, टर्म लाइफ इंश्योरेंस पर राहत की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। जीएसटी के मोर्चे पर वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। जीएसटी परिषद स्वास्थ्य बीमा और टर्म लाइफ बीमा प्रीमियम पर टैक्स हटाने की योजना बना रही है। मंत्रियों की एक समिति ने इन पर पूरी तरह से जीएसटी छूट देने का सुझाव दिया है। अगर ऐसा होता है तो इससे लाखों लोगों को बचत होगी। बुजुर्गों और मध्य वर्ग के बीच बीमा पहुंच बढ़ाने में मदद मिलगी। दरअसल, जीएसटी परिषद लंबे समय से इस पर विचार कर रही है। टर्म लाइफ बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर फिलहाल 18 फीसदी जीएसटी लगता है। मंत्रियों की एक समिति ने सिफारिश की है कि टर्म लाइफ बीमा के प्रीमियम पर सभी पॉलिसीधारकों को जरूर राहत मिलनी चाहिए, चाहे उनकी उम्र कुछ भी हो, जबकि वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम में राहत मिले।

इस कदम का समर्थन भारतीय बीमा विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने भी किया है। उसका मानना है कि जीएसटी से बीमा की पहुंच प्रभावित हो रही है। ऐसे में जीएसटी परिषद की अगली बैठक में यह प्रस्ताव पेश किया जाएगा, जो संभवतः अगले संसद सत्र से पहले आयोजित की जाएगी। हालांकि, जीएसटी परिषद की बैठक को लेकर अभी कोई तारीख घोषित नहीं की गई है। वरिष्ठ नागरिक स्वास्थ्य बीमा के लिए अगर सालाना 50,000 रुपये का भुगतान करते हैं, तो उन्हें 18 फीसदी जीएसटी भी देना होता है। इस आधार पर अगर जीएसटी को हटाया जाता है, तो उन्हें 9,000 रुपये तक की बचत हो सकती है और ऐसी पॉलिसियों की कीमतों में भी कमी आ सकती है। सूत्रों ने बताया, वरिष्ठ नागरिकों के अलावा अन्य लोगों के लिए भी पांच लाख रुपये तक के कवरेज वाली स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पर भी जीएसटी खत्म किया जा सकता है। जीएसटी परिषद की होने वाली अगली बैठक में इस योजना पर चर्चा होने की उम्मीद जताई जा रही है। देश में बीमा की पहुंच बहुत कम है।40 फीसदी से भी कम लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी है।इसकी पहुंच का दायरा बढ़ाने के लिएजीएसटी परिषद की अगली बैठक में अगर स्वास्थ्य और टर्म लाइफ बीमा प्रीमियम पर टैक्स हटाया जाता है, तो इससे केंद्र सरकार को हर साल 2,600 करोड़ रुपये का घाटा हो सकता है।

छिंदवाड़ा सिवनी से ट्रेनों के विस्तारीकरण के लिए कमलनाथ ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

सिवनी। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जननायक कमलनाथ ने केन्द्रीय रेल मंत्री को पत्र लिखकर नागपुर ईटारसी और जबलपुर से चलने वाली कई पैसेंजर ट्रेन संख्या 18110 इतवारी (टाटा नगर एक्सप्रेस), ट्रेन संख्या 12140 नागपुर मुम्बई (सेवाग्राम), ट्रेन संख्या 15206 जबलपुर-लखनऊ, ट्रेन संख्या 20151 रीवा पुणे(रीवा सुपरफास्ट एक्सप्रेस), ट्रेन संख्या 59396 जबलपुर नागपुर से इन ट्रेनों को सिवनी, छिन्दवाड़ा से प्रारंभ करने के लिए पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में कहा कि छिन्दवाड़ा और सिवनी के रास्ते इन रेल सेवाओं का विस्तार और मार्ग परिवर्तन करने से न केवल आबादी के एक बडे हिस्से को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्रीय आर्थिक विकास और पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा, इस आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र के लिए रेल सम्पर्क में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। रेल मंत्री से उन्होंने आग्रह किया है कि इन प्रस्ताव की व्यवहार्यता की जांच करने के लिए उचित कदम उठाये तथा आगामी रेलवे विकास योजनाओं के तहत इन्हें मंजूरी देने का कष्ट करें। कमलनाथ जी के मंत्री रहते हुए सड़क, रेल, उद्योग एवं अनेक क्षेत्रों में कई सौगात सिवनी को प्राप्त हुई है कमलनाथ जी ने हमेशा छिन्दवाड़ा के साथ-साथ सिवनी को भी विकास कार्यो में सहयोग करने के लिए अनेको बार प्रयास किए जिसका लाभ सिवनी की जनता आज भी उठा रही है, सिवनी का दुर्भाग्य ही कहा जाए कि रिकार्ड मतो से जीतने वाले भाजपा के सांसद केन्द्र, राज्य में सत्ता सरकार रहते हुए भी सिवनी जिले के लिए वह विकास कार्य नही करा पाएं, जिन विकास कार्यो के लिए सिवनी हकदार रहा है, भाजपा के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को कमलनाथ से कुछ सबक लेना चाहिए।

अग्रेश्वर महादेव मंदिर में हुआ रूद्राभिषेक

छतरपुर। सरानी दरवाजा बाहर स्थित सिद्धपीठ श्री महालक्ष्मी मंदिर में स्थापित अग्रेश्वर महादेव मंदिर में सावन के महीने में रूद्राभिषेक का कार्यक्रम किया जा रहा है। इस धार्मिक आयोजन में मंगलवार को गल्लामंडी छतरपुर निवासी राकेश रूसिया एवं उनके परिवार द्वारा भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक किया गया।

मैना से नेमावर जा रहे कांवड़ यात्रियों का विधायक ने किया स्वागत पुष्प वर्षा कर सभी कावड़ यात्रियों को आष्टा से किया विदा

आष्टा। चल रहे श्रावण मास में गांव गांव, शहर शहर से भोले बाबा के भक्त पवित्र जलाशयों से कावड़ में जल ले कर भगवान भोलेनाथ के अभिषेक करने के लिए कावड़ लेकर पैदल यात्रा पर निकले है । कावड़ यात्री आस पास के सिद्ध स्थान की ओर कावड़ ले कर जा रहे हैं । आज कई कावड़ यात्री आष्टा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम मैना से लगभग 50 कावड़ यात्री बम भोले के जय घोष के साथ आज मैना से नेमावर के लिये रवाना होकर आष्टा पहुंचे । आष्टा पहुचने पर अलीपुर इंदौर नाके के पास अपने क्षेत्र से नेमावर की ओर जा रहे हैं कावड़ यात्रियों का विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर ने पुष्प वर्षा कर स्वागत और सम्मान किया । इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता विष्णु परमार हकीमाबाद सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

हत्या के प्रयास में फरारी काट रहे अलग-अलग अपराधों के फरार तीनों आरोपियों को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल भेजा

सिवनी। पुलिस अधीक्षक सुनील मेहता अपराधों की रोकथाम के खिलाफ न केवल सख्त है, अपितु प्रभावी कार्यवाही हेतु निर्देश प्राप्त हुए हैं जो एएसपी दीपक मिश्रा एवं सीएसपी श्रीमती पूजा पाण्डेय के मार्गदर्शन में कोतवाली पुलिस द्वारा शहर में गुंडागर्दी करने वाले एवं चाकूबाजी की घटनाओं को अंजाम देने वाले अलग-अलग तीन अपराधों में फरार चल रहें तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी अरुण चौधरी द्वारा पूर्व रंजिश पर से शिवा प्रजापति को जान से मारने की नियत से चाकू से हमला करने से अपराध क्रमांक 372/2025 पंजीबध्द किया गया था जो आरोपी घटना दिनांक से फरार था। इसी प्रकार दिनांक 16 जून, 2025 को दोपहर करीबन 02/30 बजे आरोपी रेहान खान अपने साथी के साथ मिलकर द्वारा पुराने विवाद से अफरोज खान उर्फ बिजली को जान से मारने की नियत से चाकू से करने से अपराध क्रमांक 499/2025 कामय किय गया था।

मंडी प्रांगण वेयरहाउस सहित सेवा सहकारी समिति में मिलेगी यूरिया

अमरवाड़ा एसडीएम हेमकरण धुर्वे एसडीओपी कल्याणी वरकड़े, एसडीओ श्रीमती अनीता डेहरिया ने बनवाई व्यवस्था

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर में यूरिया को लेकर किसानों को हो रही दिक्कत को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने नगर के मंडी प्रांगण और हिवरा सानी वेयरहाउस और सभी विकासखंड कीसेवा सहकारी समिति में यूरिया वितरण की व्यवस्था बनाई है जानकारी देते हुए एसडीएम हेमकरण धुर्वे ने बताया कि सोमवार को विकासखंड के बड़ी संख्या में किस अमरवाड़ा यूरिया लेने पहुंचे थे जिससे काफी दिक्कत हुई है किसने की परेशानियों को देखते हुए सभी सेवा सहकारी समिति ग्रामीण अंचलों में उड़िया वितरण की व्यवस्था बनाई गई है ताकि किसानों को अमरवाड़ा आना ना पड़े और उन्हें अपने गांव में ही यूरिया मिल जाए। मंगलवार को अमरवाड़ा के मंडी प्रांगण और वेयरहाउस में विधिवत व्यवस्थित व्यवस्था बनाकर पानी की व्यवस्था बैठने की व्यवस्था के साथ यूरिया वितरण शुरू कराया गया और जिसकी निरंतर एसडीओपी कल्याणी बरकड़े, तहसीलदार सृष्टि डेहरिया, नायब तहसीलदार चंद्रकांतभूरिया, नगर निरीक्षक राजेंद्र धुर्वे और कृषि विभाग की एसडीओ अनीता डेहरिया के द्वारा निरंतर सभी वितरण केदो पर निरीक्षण कर यूरिया वितरण करवाया गया वहीं किसानों से भी अपील की गई है कि आप परेशान बिल्कुल ना हो सभी को यूरिया दी जाएगी

ग्रामीण सोसाइटियों से मिलेगी यूरिया

अमरवाड़ा आने की नहीं है जरूर: कृषि विभाग की एसएडीओ श्रीमती अनीता डेहरिया ने बताया कि उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन और सहयोग से अब सभी ग्रामीण क्षेत्र की सोसाइटियों से यूरिया वितरण का कार्य शुरू किया गया है अब किसानों को अमरवाड़ा आना नहीं पड़ेगा उन्हें अपने गांव में ही यूरिया पर्याप्त मिलेगीअमरवाड़ा क्षेत्र और ग्रामीण अंचलों में किसानों को पर्याप्त इतनी जरूरत है उतनी यूरिया देने का काम प्रशासन के द्वारा किया जा रहा हैलेकिन कुछ लोग किसानों के बीच में आसामाजिक तत्व माहौल बिगड़ने का काम कर रहे हैं ऐसे लोगों को चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी और सभी किसानों से अपील की गई है कि आप शांति व्यवस्था बनाने में सहयोग करें सभी को यूरिया दी जाएगी मंगलवार को शाम तक निरंतर यूरिया का वितरण होता रहा। मंडी प्रांगण में जहां एक और किसान यूरिया के लिए लाइन में लगा था वहीं दूसरी और प्रशासनिक अधिकारी निरंतर यूरिया वितरण की व्यवस्था बना रहे थे तो वही जिम्मेदार जन प्रतिनिधि वितरण स्थल पर नहीं पहुंचे और ना ही व्यवस्था में कोई सहयोग दिया जिससे किसानों में आक्रोश व्याप्त है और यह भी जन चर्चा का विषय बना हुआ है

वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी प्रतिमा निर्माण हेतु विशाल धातु संग्रहण रथयात्रा का शुभारंभ

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगर में मंगलवार को लोधी क्षत्रिय समाज अमरवाड़ा विधानसभा की विशाल बैठक आयोजित की जिसमें स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी जी की विशाल प्रतिमा निर्माण हेतु धातु संग्रहण रथयात्रा का शुभारंभ रथ को हरि झंडी दिखा कर मुख्य अतिथि लोधी समाज के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व मंत्री जालम सिंह पटेल , जिला भाजपा अध्यक्ष शेषराव यादव अमरवाड़ा विधायक राजा कमलेश शाह नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी लोधी क्षत्रिय समाज अध्यक्ष संतोष पटेल प्रेमकुमार पटेल एवं सभी सामाजिक बंधुओं के द्वारा किया गया। इस अवसर पर चैनसिंह जघेला, कुबेर वर्मा, शिव पटेल ,शैलेंद्र पटेल ,कृष्ण कुमार वर्मा, राजकुमार वर्मा, बलराम वर्मा, अशोक वर्मा, चरणदास वर्मा, दुर्गा वर्मा, गोपाल वर्मा, सुखी कृष्ण कुमार, दिनेश वमा मौजूद रहे।

अमरवाड़ा में 32 लाख की सांसद विधायक निधि से बनेंगी 3 सड़कें

विधायक कमलेश शाह ने किया सड़क निर्माण कार्य का भूमि पूजन

अमरवाड़ा। अमरवाड़ा नगरपालिका के वार्ड नंबर 02 एवं वार्ड 06 में विधायक निधि व सांसद निधि की राशि 32 लाख से बनने वाली तीन सड़क का विधायक कमलेश प्रताप शाह एवम नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी ने भूमिपूजन किया। वार्ड नंबर 02 एवं 6 मे वार्डवासियों द्वारा विधायक का स्वागत कर सांसद विधायक निधि प्रदान करने आभार व्यक्त किया गया । मुख्यअतिथि विधायक कमलेश प्रताप शाह ने कहा कि सीसी रोड का निर्माण होने से वार्ड के नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी । नगरपालिका अमरवाड़ा द्वारा नगर के वार्डो में लगातार विकास कार्य करने के साथ-साथ विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत की जा रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के हर नागरिक से किया गया हर वादा प्राथमिकता के साथ पूरा किया जा रहा है नगर का विकास ही मेरी पहली प्राथमिकता है। नगर के सभी वार्डों में विकास कार्य चल रहे हैं। हमारा प्रयास है कि नगर के सभी वार्डों में विकास हो एवं सभी वार्ड साफ और स्वच्छ रहे। उन्होंने कहा निर्माण मे गुणवत्ता के संबंध में कोई समझौता नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्यअतिथि विधायक कमलेश प्रताप शाह नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, नगर मंडल अध्यक्ष सचिन गोल्डी नेमा, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष विनोद चंद्रवंशी, विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा, नितिन तिवारी वार्ड नंबर 6 की पार्षद दीपा मुकेश सूर्यवंशी, वार्ड नंबर 02 पार्षद आरिफ शाह ,पार्षद सुरक्षा जैन,लोक निर्माण सभापति कल्पना सतीश साहू, अर्पित लाला, राजकुमार वरकडे, विनोद चौरसिया, सुरेश साहू , निलेश साहू, प्रहलाद सूर्यवंशी, ओम प्रकाश नामदेव मुकेश सूर्यवंशी मोनू चौरसिया हनुमान विश्वकर्मा,सीएमओ मुबीन खान उपयन्त्री श्रुति शुक्ला सहित भाजपा नेता व वार्ड नंबर 02 एवं 06 के वार्डवासी उपस्थित रहे।

तेंदनी में पकड़ा जुआ

अमरवाड़ा। थाना अंतर्गत सिंगोडी चौकी के ग्राम तेंदनी के जंगल में जुआ खेलने की खबर पर उप निरीक्षक पंकज राय प्रधान आरक्षक रामदयाल मरावी आरक्षक गुरमुख बघेल और सूरज सिंह आरक्षक ने उसे स्थान पर जाकर छापा मारा और कार्रवाई की जहां 52 पत्तों पर पैसे का हार जीत का दाव लगाकर जुआ खेल रहे सहीम चरना निवासी, मोहम्मद अफसार, शेख शाहिद सिंगोडी निवासी, शैलेंद्र निवासी सिंगोड़ी को जुआ खेलते हुए धर दबोचा आरोपियों के पास से?2200 नगद और 52 ताश के पत्ते एक मोटरसाइकिल ओप्पो मोबाइल बैटरी हेडलाइट आदि सामग्री किया आरोपियों के विरुद्ध 13 जुआ एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया

थाना लोधीखेडा पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

छिंदवाड़ा। सांवली मंदिर के सामने जामसांवली पर्वत चारागाह गेट के पास पहाडी मे एक व्यक्ति मृत अवस्था मे पडा हुआ है कि सूचना पर स्टाफ के घटना स्थल पहुच एक व्यक्ति मृत अवस्था मे पडा हुआ पाया गया जिसके सिर पर सामने माथे के ऊपर, सिर के पीछे तरफ चोटे आयी थी। जिससे खून निकला हुआ कपडे रक्त से सने हुये पाये गये उपस्थित पंचान द्वारा मृत व्यक्ति को पूर्व से जानना व पहचानना जिसका नाम सुनील कुमार उइके निवासी ग्राम मंडली थाना रावनवाडा का रहने वाला बताया गया, मर्ग कायम कर जाँच मे लिया गया मर्ग जांच प्रथम दृष्टया अज्ञात व्यक्ति द्वारा हत्या का अपराध घटित करना पाये से अप.क्र. 300/25 धारा 103(1) बीएनएस 2023 का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया।

सिंह कनेश के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पांढुर्णा नीरज सोनी एवं एसडीओपी. सौसर प्रियंका पाण्डेय अनुभाग सौंसर के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी लोधीखेडा के नेतृत्व में टीम गठीत की गई, टीम द्वारा तत्पर्यता पूर्वक विवेचना कर मृतक सुनील कुमार उइके की मृत्यु एवं अज्ञात आरोपी के संबंध मे घटना स्थल के आसपास काम करने वाले मजदुरो एवं अन्य लोगो से घटना संबंध मे बारिकी से पुछताछ किया पूछताछ पर सामने आया कि मृतक सुनील कुमार उइके व साथ मे रहने वाला राजकुमार उर्फ राजेन्द्र कवरेती जो बिछुआ तरफ का रहने वाला है दोनो घटना दिनाँक की रात्री मे साथ मे घूमने की जानकारी मिली उसके बाद संदेही राजकुमार उर्फ राजेन्द्र कवरेती के संबन्ध मे और जानकारी प्राप्त करने पर चश्मदीद साक्षियो से पुछताछ कथन लेख कर राजकुमार उर्फ राजेन्द्र कवरेती लगातार टीम द्वारा तलाश पतासाजी की गई जो मेहराखापा के जंगल मे भागने की फिराक मे छुप कर बैठे होने की सूचना प्राप्त होने पर पुलिस टीम द्वारा जंगल मे घेराबंदी कर संदेही को अभिरक्षा मे लेकर घटना के संबंध मे पूछताछ करने पर संदेही ने स्वीकार किया कि मैने मृतक सुनील को करीबन 15 दिन पहले दो हजार रूपये उधार दिये थे उधारी के पैसे माँगने पर मृतक ने पैसे देने से मना किया तो आरोपी द्वारा मृतक से उसका मोबाइल लेकर बेच दिया मृतक के द्वारा आरोपी से अपना मोबाइल माँगने की बात पर से दोनो का आपस मे विवाद हुआ आरोपी द्वारा आवेश मे आकर घटना स्थल पर पडे पत्थर से मृतक के सिर पर दो तीन बार वार कर हत्या कारित कर दिया।

अब तक दर्ज की गई 600.4 मि.मी. औसत वर्षा

शहडोल। अधीक्षक भू-अभिलेख शहडोल ने जानकारी दी है की जिले में 21 जुलाई को कुल 9.3 मिमी. औसत वर्षा दर्ज की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 34 मिमी., बुढ़ार में 10 मिमी., गोहपारू में 0 मि.मी., जैतपुर में 7 मिमी, चन्नौड़ी में 11 मिमी., ब्यौहारी में 3 मिमी, जयसिंहनगर में 0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 01 जून 2025 से अब तक वर्षामापी केन्द्र सोहागपुर में 648 मिमी., बुढ़ार में 351 मिमी., गोहपारू में 590 मि.मी., जैतपुर में 707 मिमी, चन्नौड़ी में 682 मिमी., ब्यौहारी में 775 मिमी, जयसिंहनगर में 450 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इस प्रकार जिले में अब तक औसत वर्षा 600.4 मिमी. दर्ज की गई है। गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 274.1 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी।

किसान खेत में और महिला खाद के लिए वितरण केंद्र की कतार में: कांग्रेस

छिन्दवाड़ा। मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ व पूर्व सांसद नकुलनाथ के कार्यकाल में जनता कभी नहीं लगी कतार में, क्योंकि तब जिले से खाद की जितनी मांग जाती थी, उससे कहीं अधिक आपूर्ति हुआ करती थी। यह उनकी नीति व दूरदृष्टि का परिणाम था, किन्तु भाजपा की गलत नीतियों व सत्ता के इशारों पर जब-जब शासन-प्रशासन चलता है, तब संकट के हालात निर्मित होते हैं, जिसके चलते आमजन कतार में कमल दल के नेता वातानुकूलित भव्य कमरों में। यह भाजपा के राज की सच्ची तस्वीर है जो बार-बार सामने आ रही। आज किसान, युवा और महिला सब कतार में खड़े हैं जिसका सम्पूर्ण श्रेय भाजपा को जाता है। उक्त उदगार जिला कांग्रेस अध्यक्ष श्री विश्वनाथ ओकटे ने खाद वितरण की लचर व घटिया प्रणाली पर सरकार व स्थानीय प्रशासन को घेरते हुए व्यक्त किए। री प्रेस विज्ञप्ति में श्री ओकटे ने ताकीद करते हुए कहा कि 8 नवम्बर 2016 का दिन जनता कभी नहीं भूल सकती। इस दिन को भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने समाज के हर वर्ग के लिए सबसे बुरा दिन नोटबंदी÷ कर साबित किया था। वह दिन और आज का दिन है, जनता समय बे समय सिर्फ और सिर्फ कतार में अपनी बारी आने का इंतजार कर रही। भाजपा के दिए हुए इस भयंकर संकट काल से निकलने के उपरांत सरकार के अपर्याप्त इंतजामों के कारण लोग कोरोना जैसी महामारी से जूझे, तब भी लोग आवश्यक दवाइयों के लिए कतार में था, किन्तु मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री माननीय कमलनाथ जी एवं जिले के पूर्व सांसद माननीय नकुलनाथ जी के प्रयासों से छिन्दवाड़ा जिला भयावह स्थिति से बचा रहा, किन्तु देशभर में लोग दरबदर हुए और निर्दोष जानें चली गई। भाजपा ताली और थाली बजवाती रही। जारी प्रेस विज्ञप्ति में कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने आगे कहा कि भाजपा ने जब से कतार लगाई और नोटबंदी की है तब से जनता त्रस्त है। कभी नोटबंदी, कभी वोटबंदी तो कभी खादबंदी का सामना जनता कर रही। खादबंदी का सामना कर रहे किसानों के लिए माननीय कमलनाथ जी एवं माननीय नकुलनाथ जी के प्रयासों से खाद पहुंची तो उसे भी शासन-प्रशासन सही ढंग से व समय से नहीं वितरित नहीं करा पाए। अमरवाड़ा सहित जिलेभर में आधी रात तक खाद के लिए किसान खड़ा रहा। मंगलवार को प्रात÷ काल से किसान खेत में, मातृशक्ति खाद लेने के लिए पंक्ति में खड़ी रही।

देश के लिए सर्वोच्च बलिदान, स्वर्णिम पन्नों में हमेशा दर्ज

चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर जानें चंद्रशेखर तिवारी से आजाद नाम से पहचान बनाने की कहानी

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में ऐसे कई नाम हैं, जिनकी गाथाएं आज भी हमें प्रेरित करती हैं। इन्हीं में से एक नाम है महान क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद का। एक ऐसा नाम, जिसने छोटी सी उम्र में ही अंग्रेजी हुकूमत को हिलाकर रख दिया था।

उनका जन्म 23 जुलाई 1906 को हुआ था और आज उनकी जयंती पर हम उस अजेय साहस और देशभक्ति को याद करते हैं, जिसने उन्हें %आजाद% बनाया। चंद्रशेखर तिवारी से आजाद बनने तक का उनका सफर और देश के लिए उनका सर्वोच्च बलिदान, भारतीय इतिहास के स्वर्णिम पन्नों में हमेशा दर्ज रहेगा।

विद्रोही बचपन और देशभक्ति की पहली लौ- चंद्रशेखर आजाद का जन्म 23 जुलाई, 1906 को मध्य प्रदेश के भाबरा गांव में हुआ था। उनका मूल परिवार उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के बदरका गांव से था। आर्थिक कठिनाइयों के कारण उनके पिता, सीताराम तिवारी को अपना पैतृक गांव छोड़कर भाबरा में बसना पड़ा। चंद्रशेखर का बचपन से ही स्वभाव जिद्दी और विद्रोही था। उनका नाम चंद्रशेखर तिवारी था, लेकिन उन्हें %आजाद% की पहचान कैसे मिली, यह एक प्रेरणादायक कहानी है। उनका पूरा बचपन आदिवासी बहुल क्षेत्र झाबरा में बीता, जहां उन्होंने बचपन से ही निशानेबाजी और धनुर्विद्या सीखी। यह कौशल बाद में उनके क्रांतिकारी जीवन में बहुत काम आया। पढ़ाई से ज्यादा उनका मन खेल-कूद और अन्य गतिविधियों में लगता था।

जलियांवाला बाग और आजादी की राह- जलियांवाला बाग कांड ने बचपन में ही चंद्रशेखर को अंदर से झकझोर दिया था। इस घटना ने उन्हें यह समझने पर मजबूर कर दिया कि अंग्रेजों से छुटकारा पाने के लिए सिर्फ बातों से काम नहीं चलेगा, बल्कि बंदूकों की जरूरत होगी। उस समय चंद्रशेखर बनारस में पढ़ाई कर रहे थे। इस भयावह घटना ने उनके मन में ब्रिटिश हुकूमत के प्रति गहरा असंतोष भर दिया। उन्होंने ठान लिया कि वह ईंट का जवाब पत्थर से देंगे और देश की आजादी के आंदोलन में उतरेंगे। इसके बाद वे महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन से जुड़ गए।

चंद्रशेखर आजाद नामकरण की कहानी- साल 1921 में, जब महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में शामिल होने के कारण चंद्रशेखर की गिरफ्तारी हुई, तब उनकी मुलाकात एक ब्रिटिश जज से हुई। यह मुलाकात ही उनके नाम के साथ %आजाद% उपनाम जुड़ने का कारण बनी। जब जज ने उनसे उनका नाम पूछा, तो उन्होंने निडर होकर जवाब दिया, ÷मेरा नाम आजाद है।÷ जज ने फिर उनके पिता का नाम पूछा, तो उन्होंने कहा, ÷मेरे पिता का नाम स्वतंत्रता है।÷ जब उनके निवास स्थान के बारे में पूछा गया, तो उनका जवाब था, ÷मेरा घर जेल है।÷ उनके इस जवाब से जज बहुत गुस्सा हो गया और उसने बालक चंद्रशेखर को 15 कोड़े मारने की सजा सुनाई। यह सजा उनके जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई।

चौरी-चौरा कांड और कांग्रेस से मोहभंग- शुरुआत में चंद्रशेखर आजाद महात्मा गांधी के अहिंसक आंदोलन में शामिल हुए थे। हालांकि, जलियांवाला बाग कांड के बाद उन्हें यह समझ आ चुका था कि अंग्रेजी हुकूमत से आजादी सिर्फ बातों से नहीं, बल्कि बंदूक से मिलेगी। जब चौरी-चौरा कांड के बाद महात्मा गांधी ने असहयोग आंदोलन वापस ले लिया, तो आजाद का कांग्रेस से मोहभंग हो गया। उन्हें लगा कि अहिंसक तरीके से आजादी पाना मुश्किल होगा। इसके बाद उन्होंने क्रांतिकारी गतिविधियों का रुख किया और बनारस चले गए।

क्रांतिकारी गतिविधियों का केंद्र- उन दिनों बनारस भारत में क्रांतिकारी गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण केंद्र था। बनारस में आजाद देश के महान क्रांतिकारियों जैसे मन्मथनाथ गुप्त और प्रणवेश चटर्जी के संपर्क में आए। वे जल्द ही क्रांतिकारी दल हिंदुस्तान प्रजातंत्र संघ के सदस्य बन गए। शुरुआत में यह दल गरीब लोगों को लूटकर अपनी जरूरतों को पूरा करता था, लेकिन धीरे-धीरे उन्हें यह समझ आने लगा कि अपने ही लोगों को दुख पहुंचाकर वे कभी भी उनका समर्थन हासिल नहीं कर पाएंगे। इसके बाद इस दल का उद्देश्य केवल सरकारी प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाकर अपनी क्रांति के लक्ष्यों को प्राप्त करना बन गया।

काकोरी कांड- दल ने पूरे देश को अपना उद्देश्य बताने के लिए अपना मशहूर पैम्फलेट %द रिवोल्यूशनरी% प्रकाशित किया। इसके बाद उस ऐतिहासिक घटना को अंजाम दिया गया, जो भारतीय क्रांति के इतिहास के अमर पन्नों में सुनहरे हर्फों में दर्ज है - काकोरी कांड। यह घटना 9 अगस्त, 1925 को हुई थी। इस दौरान दल के दस सदस्यों ने काकोरी ट्रेन लूट को अंजाम दिया और अंग्रेजों को खुली चुनौती दे दी। इस कांड के लिए देश के महान क्रांतिकारियों रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां, राजेंद्रनाथ लाहिड़ी और ठाकुर रोशन सिंह को फांसी की सजा सुनाई गई थी।

सांडर्स की हत्या और असेंबली में बम- गठन के बाद कई ऐसी गतिविधियां की गईं, जिनसे अंग्रेजी हुकूमत इनके पीछे पड़ गई। सांडर्स की हत्या÷ 1928 में साइमन कमीशन के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान लाला लाजपत राय की मौत हो गई। इसके बाद भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु ने उनकी मौत का बदला लेने का फैसला किया। इन लोगों ने 17 दिसंबर, 1928 को लाहौर के पुलिस अधीक्षक जे.पी. सांडर्स के दफ्तर को घेर लिया और राजगुरु ने सांडर्स पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

असेंबली में बम- इसके बाद आयरिश क्रांति से प्रभावित भगत सिंह ने दिल्ली असेंबली में बम फोड़ने का निश्चय किया, जिसमें आजाद ने उनका साथ दिया। इन घटनाओं के बाद अंग्रेज सरकार ने इन क्रांतिकारियों को पकड़ने में पूरी ताकत लगा दी। इन आरोपों में भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को फांसी की सजा सुनाई गई। इन घटनाओं से आजाद काफी आहत हुए। उन्होंने भगत सिंह को छुड़ाने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। दल के लगभग सभी लोग गिरफ्तार हो चुके थे, लेकिन फिर भी काफी समय तक चंद्रशेखर आज़ाद ब्रिटिश सरकार को चकमा देते रहे। आजाद ने ठान ली थी कि वह जीते जी अंग्रेजों के हाथ नहीं लगेंगे।

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल ने बुधवार को पार्टी के क्षेत्रीय संगठन महामंत्री अजय जमवाल से सौजन्य भेंट की।

भोपाल में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने गीतांजलि चौराहे पर चंद्रशेखर आजाद की जयंती पर उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया। उनके साथ विधायक भगवान दास सबनानी के साथ ही कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शहर की 12 प्रमुख रोड पर आज से ई रिक्शा की नो एंट्री

भोपाल। 27 जून को जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में एक फैसला लिया गया था, जिसमें भोपाल की कुछ खास सड़कों पर ई-रिक्शा पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय हुआ था. उस निर्णय को बुधवार से लागू किया जा रहा है. शहर की 12 प्रमुख रोड पर आज से ई रिक्शा की नो एंट्री होने जा रही है. राजधानी की 12 वीआईपी सड़कों पर आज से ई-रिक्शा चलाने पर भी और पार्किंग पर भी रोक लग गई है. ये करीब 25 किमी का रास्ता है, जहां ये प्रतिबंध लगा है.

इन रास्तों पर लगा बैन– भोपाल कलेक्टर ने ई-रिक्शा पर स्कूल के बच्चों को ले जाने पर पहले ही रोक लगाई थी. कलेक्टर के निर्देश के बाद ट्रैफिक पुलिस ने अब ये रूट किया है. सबसे पहले एक हफ्ते तक रिक्शा वालों को इस नए निर्णय को लेकर गाइड किया जाएगा, इसके बाद भी नहीं माना तो चालान कटेगा. पहले यहां लिस्ट देखिए जिन सकड़ों पर बैन लगा है. इन रास्तों पर अगर अब ई रिक्शा दिखे तो आम जनता इस ट्रैफिक फोन नंबर 0755-2677240 पर कंप्लेन भी कर सकती है.

वंदे मातरम चौराहे से 10 नंबर स्टॉप तक

10 नंबर स्टॉप से नेशनल अस्पताल तक

10 नंबर से 10~30 नंबर तक

सेंट्रल पॉइंट से रोशनपुर तक

काटजू अस्पताल से रंग महल तक, जीजी फ्लावर।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव सिबि चक्रवर्ती का ट्रांसफर, एमडी बनाया

भोपाल। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में हाल ही में हुए प्रशासनिक बदलावों की कड़ी में एक और बड़ा निर्णय लिया गया है। वरिष्ठ आईएएस अधिकारी सिबि चक्रवर्ती को मुख्यमंत्री सचिव पद से हटाकर मध्यप्रदेश भवन विकास निगम, भोपाल का प्रबंध संचालक नियुक्त किया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने

मंगलवार को आदेश जारी कर दिए हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री कार्यालय में वरिष्ठ आईएएस एवं अपर मुख्य सचिव राजेश राजौरा को हटाकर उनकी जगह नीरज मंडलोई को नया अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) बनाया गया था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के दुबई और स्पेन दौरे से लौटने के बाद मंत्रालय और जिलों में बड़े प्रशासनिक फेरबदल की अटकलें तेज हो गई हैं। सूत्रों के अनुसार आने वाले दिनों में आईएएस और आईपीएस अधिकारियों के तबादलों की सूची जारी हो सकती है।

भोपाल लव जिहाद: गिरोह के सरगना फरहान और साहिल के खिलाफ पॉक्सो एक्ट में आरोप तय

भोपाल। राजधानी भोपाल के एक निजी कॉलेज की छात्राओं को दोस्ती के नाम पर जाल में फंसाकर दुष्कर्म, ब्लैकमेलिंग और जबरन धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने के संगीन मामले में बड़ा अपडेट सामने आया है। इस पूरे मामले के मास्टरमाइंड फरहान और उसके साथी साहिल के खिलाफ भोपाल जिला अदालत ने पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप तय कर दिए हैं। आरोपियों पर एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने और उसका अश्लील वीडियो बनाकर धमकाने का आरोप है। अदालत में पेश चालान के अनुसार, पीड़िता ने अपनी नाबालिग बहन को आरोपियों से बचाने के लिए इंदौर भेजा था। इसके बावजूद फरहान इंदौर पहुंच गया और किराए के कमरे में घुसकर उसके साथ मारपीट और दुष्कर्म किया। मामले की जांच में यह भी सामने आया कि फरहान पीड़िता से प्रेम-प्रसंग का नाटक कर उसे अपने साथ रखने और धर्म परिवर्तन करने का दबाव बना रहा था। जब पीड़िता ने विरोध किया, तो उसे और उसके परिजनों को जान से मारने की धमकी दी गई। इंदौर में हुई घटना की

शिकायत पीड़िता की नाबालिग बहन ने पुलिस से की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद वह भोपाल में अपनी बड़ी बहन के पास आई और दोनों बहनों ने अप्रैल 2025 में इस पूरे मामले में एफआईआर दर्ज कराई। इसी के बाद फरहान और उसके गिरोह के अन्य सदस्यों के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक मामले सामने आए।

25 को गवाहों की सूची पेश होगी

पॉक्सो एक्ट की विशेष अदालत की न्यायाधीश नीलम मिश्रा ने फरहान और साहिल के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इस मामले में पुलिस पहले ही चालान प्रस्तुत कर चुकी है। साक्ष्य और फॉरेंसिक रिपोर्ट भी अदालत में दाखिल की जा चुकी है। 25 जुलाई को गवाहों की सूची पेश की जाएगी। कानूनी जानकारों के मुताबिक, पॉक्सो एक्ट के तहत पीड़िता के बयान और साक्ष्य के आधार पर आरोपियों को सजा मिलना लगभग तय माना जा रहा है, भले ही कुछ गवाह अदालत में उपस्थित न हों।

आधा दर्जन छात्राएं बनीं थीं शिकार

इस साल अप्रैल में भोपाल के बागसेवनिया, जहांगीराबाद और अशोका गार्डन थानों में फरहान, साहिल, अबरार, नबील और साद सहित कई अन्य आरोपियों के खिलाफ कई लड़कियों ने शिकायतें दर्ज कराई थीं। आरोप है कि इन युवकों ने पहले दोस्ती की, फिर विश्वास जीतकर दुष्कर्म किया, अश्लील वीडियो बनाए और फिर धर्म परिवर्तन के लिए मानसिक दबाव बनाया।भोपाल पुलिस ने मामले की जांच के लिए एसआईटी गठित की है। इसके अलावा राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग ने भी मामले का संज्ञान लिया है और राज्य सरकार को सिफारिशों के साथ अपनी रिपोर्ट सौंपी है।

बारिश के मौसम को गरमाएंगे सियासी मुद्दे, 28 से शुरू होगा विधानसभा का सत्र

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र 28 जुलाई से शुरू होकर 8 अगस्त तक चलेगा। इस 12 दिवसीय अवधि में कुल 10 बैठकें आयोजित की जाएंगी, जबकि 2 और 3 अगस्त (शनिवार व रविवार) को कार्यवाही स्थगित रहेगी। सत्र की पूर्व संध्या पर विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने भोपाल में नवीन विधायक विश्राम गृह के भूमिपूजन अवसर पर मीडिया से कहा कि यह सत्र प्रदेश के लिए बेहद महत्वपूर्ण और लाभकारी रहेगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान सरकार द्वारा

प्रस्तावित विधेयकों पर गंभीर मंथन किया जाएगा, साथ ही विपक्ष और सत्तापक्ष दोनों मिलकर जनहित से जुड़े विषयों पर व्यापक चर्चा करेंगे। अध्यक्ष तोमर ने यह भी कहा कि यदि सभी राजनीतिक दल सदन की गरिमा को बनाए रखते हुए सकारात्मक और रचनात्मक संवाद करें, तो लोकतंत्र की बुनियाद और अधिक सुदृढ़ होगी।

विधानसभा के आगामी मानसून सत्र में मोहन सरकार द्वारा अनुपूरक बजट (सप्लीमेंट्री बजट) प्रस्तुत किया जाएगा। सरकार का फोकस इस बार जनहितकारी योजनाओं को प्राथमिकता देने पर रहेगा। बजट में गैर-ज़रूरी खर्चों में कटौती की सख्त नीति अपनाई जाएगी। वित्त विभाग ने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि अफसरों के लिए वाहन जैसी अनावश्यक खर्चों से जुड़े प्रस्ताव न भेजें। इस अतिरिक्त बजट के माध्यम से सरकार का उद्देश्य जनता से संबंधित योजनाओं के लिए जरूरी वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराना है, ताकि विकास कार्यों की गति बनी रहे और उनका प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

जन विश्वास बिल 2.0 पेश करने की तैयारी– मानसून सत्र में जन विश्वास बिल 2.0 पेश करने की तैयारी में है। यह प्रस्तावित बिल राज्य में जटिल और पुराने कानूनों को सरल बनाने की दिशा में एक और अहम कदम माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य होगा जो इस विधेयक का दूसरा संस्करण प्रस्तुत कर रहा है। इससे पहले जन विश्वास बिल 1.0 के तहत 5 विभागों से जुड़े 8 कानूनों की 64 धाराओं में संशोधन किया गया था। अब दूसरे चरण में 13 विभागों के 23 कानूनों की कुल 45 धाराओं को संशोधित करने की योजना है। इस विधेयक का मकसद आम लोगों और उद्यमियों को अनावश्यक कानूनी उलझनों से राहत दिलाना है। इसी क्रम में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इन संशोधनों पर विचार-विमर्श किया और उन्हें अंतिम रूप देने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।